

नौ दिन चले अढ़ाई कोर्स

ट्रंप के भौंकने से चिढ़ा ईरान

ज्यूरिख, 21 जून (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता एक बार फिर बेपटरी हो गई है। डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों के विरोध में ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को कुछ देर के लिए पहले दौर की वार्ता बीच में छोड़ दी। तस्नीम न्यूज एजेंसी ने विश्वस्त सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ट्रंप के सख्त बयानों और सैन्य कार्रवाई की धमकियों के बाद ईरानी पक्ष ने इसे बातचीत के माहौल के खिलाफ माना और विरोध जताते हुए मीटिंग हॉल से बाहर निकल गया।



ट्रंप की आक्रामक बयानबाजी का असर वार्ता स्थल पर भी देखने को मिला। ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी अधिकारियों के साथ प्रस्तावित फोटो सेशन में शामिल होने से इनकार कर दिया। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, वार्ता शुरू होने से पहले आयोजकों और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने दोनों पक्षों के बीच हाथ मिलाने और संयुक्त तस्वीर खिचवाने की योजना बनाई थी। हालांकि, ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अरगची ने इसमें हिस्सा लेने से मना कर दिया।

प्रेस टीवी के हवाले से सूत्रों ने बताया कि ईरानी वार्ताकारों ने अमेरिकी पक्ष के सामने औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई, इसके बाद पहले दौर की वार्ता शुरू हुई। हालांकि, ईरान ने पहले दौर की वार्ता समाप्त होने के बाद अगले दौर की वार्ता में तब तक शामिल होने से इनकार कर दिया है, जब तक लेबनान में पूर्ण युद्धविराम का मसला हल नहीं हो जाता। ईरानी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य मेहदी गोरबनजादेह ने सरकारी मीडिया से कहा,

जब तक लेबनान की स्थिति का समाधान नहीं हो जाता, तब तक अन्य मुद्दों पर कोई बातचीत नहीं होगी। यदि लेबनान में युद्ध समाप्त नहीं होता, तो दूसरे विषयों पर वार्ता आगे नहीं बढ़ेगी।

स्विट्जरलैंड में वार्ता शुरू होने के कुछ मिनट बाद ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर ईरान को धमकाते हुए एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा, ईरान को तुरंत लेबनान में अपने भारी फंडिंग वाले प्रॉक्सी समूहों को रोकना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो हम ईरान पर फिर बहुत बड़ा हमला करेंगे, पिछले सप्ताह से भी ज्यादा ताकत के साथ। वहीं फॉक्स न्यूज से फोन पर बातचीत में ट्रंप ने ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की धमकी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जरूरत पड़ी तो अमेरिका इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर नियंत्रण कर सकता है। इन्हीं धमकियों के चलते ईरानी प्रतिनिधिमंडल वार्ता बीच में छोड़कर हॉल से बाहर निकल गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के धमकी भरे पोस्ट के कुछ ही देर बाद ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने

ट्रंप को अपनी भाषा पर सावधानी बरतने की सलाह दी। ईरानी संसद के अध्यक्ष गालिबाफ ने ट्रंप की धमकियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, क्या उन्हें नहीं लगता कि अगर उनकी धमकियों का कोई असर होता, तो वे आज इस हताशा की स्थिति में नहीं पहुंचते? हम अमेरिकी धमकियों को कोई महत्व नहीं देते। उन्हें अपने बयानों को लेकर ज्यादा सावधान रहना चाहिए। हमारी सशस्त्र सेनाएं उन्हें अलग तरीके से जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वे चाहे कुछ भी कहें, कार्रवाई हम ही करेंगे।

पहले दौर की वार्ता में किन मुद्दों पर हुई बात ?

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी ईराना ने कहा कि पहले दौर की वार्ता युद्ध खत्म करने, प्रतिबंधों में राहत और फ्रीज किए गए फंड को जारी करने पर केंद्रित रही। ईरानी प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने अपने देश की सरकारी मीडिया को बताया कि अमेरिका के साथ पहले दौर की वार्ता में ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंधों में राहत देने को लेकर ड्राफ्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है और जल्द ही प्रतिबंधों में छूट लागू की जाएगी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता और वार्ता दल के सदस्य इस्माइल बघाई ने कहा कि रविवार की बातचीत में दुनिया भर के बैंकों में फ्रीज ईरानी फंड्स को जारी करने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। यह युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान की प्रमुख शर्तों में शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने कतर के अधिकारियों के साथ इन फंड्स को जारी करने की प्रक्रिया पर भी चर्चा की।

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने रविवार की वार्ता से पहले तस्नीम न्यूज एजेंसी से कहा, 8पर

जेडी वेंस ने बताए अपने दो सबसे खास लोग 'एक मेरी पत्नी, दूसरे फील्ड मार्शल मुनीर'

ज्यूरिख, 21 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को अपने जीवन के दो सबसे पसंदीदा भारतीय और पाकिस्तानी लोगों के नाम बताए। उन्होंने ये टिप्पणी स्विट्जरलैंड में अमेरिका-ईरान के बीच चल रही वार्ता के दौरान मीडिया से बातचीत में की। जेडी वेंस ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं अक्सर कहता हूँ कि मेरी जिंदगी में दो बेहद महत्वपूर्ण लोग हैं। एक भारतीय हैं और दूसरे पाकिस्तानी। भारतीय मेरी पत्नी उषा वेंस हैं और पाकिस्तानी फील्ड मार्शल आसिम मुनीर हैं।



वार्ता के बारे में जेडी वेंस ने कहा कि आज हम समझौते के तकनीकी पहलुओं पर चर्चा कर रहे हैं, जो शायद हर मतभेद को खत्म नहीं करेगी। लेकिन इससे इतना हुआ है कि पहली बार सभी पक्ष एक टीम के रूप में साथ बैठे हैं। उन्होंने कहा, इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि अलग-अलग पक्षों के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे क्या हैं, उन मुद्दों का समाधान कैसे किया जाए और बेहतर भविष्य की ओर कैसे बढ़ा जाए।

वेंस ने कहा कि संबंधित देशों का राजनीतिक नेतृत्व इसलिए यहां मौजूद है ताकि तकनीकी वार्ता की रूपरेखा तय की जा सके और वार्ता टीमों को यह भरोसा दिलाया जा सके कि उन्हें पूरा राजनीतिक समर्थन हासिल है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि हमारी टीमों जाँचें कि किसी भी बाधा को दूर करने के लिए वे हमसे कभी भी संपर्क कर सकती हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि अभी काफी काम बाकी है, लेकिन सभी पक्ष इस प्रक्रिया को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, हमने पिछले कुछ घंटों में काफी प्रगति की है। जेडी वेंस ने

कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरे मिडिल ईस्ट में स्थायी युद्धविराम लागू कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, ऐसे युद्धविराम हमेशा थोड़े जटिल होते हैं, लेकिन हमने पिछले कुछ दिनों में यह सुनिश्चित करने में बड़ी प्रगति देखी है कि लेबनान में युद्धविराम कायम रहे। जेडी वेंस ने कहा कि ट्रंप ने उन्हें नई शुरुआत करने और कूटनीतिक समाधान खोजने के लिए अधिकृत किया है। उन्होंने कहा, अब हम ऐसा भविष्य देख रहे हैं जहां सभी देश शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए साथ मिलकर काम कर सकें।

वेंस ने यह भी कहा कि ईरान लंबे समय से क्षेत्रीय अस्थिरता का एक बड़ा कारण रहा है, लेकिन अब कूटनीति के जरिए मध्य पूर्व को बदलने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हम मध्य पूर्व में संबंधों को स्थायी रूप से बदल सकते हैं।

इस बीच, अमेरिकी और ईरानी वार्ताकारों ने कतर के मध्यस्थों के साथ त्रिपक्षीय बैठक भी की। वार्ता शुरू होने से पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने प्रमुख शर्तों पर बात की। उन्होंने कहा कि ईरान ने अमेरिका को लिखित में यह देने का आश्वासन दिया है कि वह परमाणु बम नहीं बनाएगा।

8पर

शिंदे-फडनवीस सेना टूट पर बोले- ऑपरेशन टाइगर पूरा



मुंबई, 21 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में इन दिनों ऑपरेशन टाइगर जोरों पर चर्चा में है। खबर है कि जल्द ही शिवसेना

(यूबीटी) के 9 में से 6 सांसद टूटकर एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। अब इस ऑपरेशन पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पहली बार खुलकर अपनी बात रखी है और कहा है कि हम कोई ऑपरेशन अधूरा नहीं छोड़ते। वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ऑपरेशन पूरा हो गया है और मरीज स्वस्थ है।

फडणवीस और शिंदे का यह बयान ऐसे समय आया है, जब शिवसेना (यूबीटी) में बगावत की अटकलें जोरों पर हैं और 4 साल बाद पार्टी एक बार फिर टूट की कगार पर है। पहले खबर आई थी कि बागियों में से एक सांसद ओमराजे निंबालकर अपने ही पाले में रहेंगे, लेकिन अब माना जा रहा है कि शिंदे गुट में उनकी एंट्री तय है। फडणवीस और शिंदे ने भी उनकी एंट्री की बात लगभग-लगभग साफ कर दी है। एक कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि जल्द ही आपको ब्रेकिंग न्यूज मिलेगी। हम कोई भी ऑपरेशन अधूरा नहीं छोड़ते हैं। ओमराजे निंबालकर के मामले में उन्होंने कहा, ओमराजे निंबालकर कल कोर्ट में थे। उनका परिवार दुखी था। 8पर

उद्धव ने अपने कान पकड़े! कहा, गद्दारों को टिकट गलती

मुंबई के भांडुप में बागी सांसद संजय दिना पाटिल के गद्द में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बागी नेताओं और बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने रैली में जुटी भीड़ की ओर इशारा करते हुए कहा, मेरे सामने सिर्फ शिवसैनिक नहीं, बल्कि जलती हुई मशालें खड़ी हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा, मैं गद्दारों और उनके आकाओं का धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने इन मशालों को फिर से जला दिया। 8पर



लखनऊ/अयोध्या, 21 जून (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान-चढ़ावे में कथित हेराफेरी की जांच कर रही विशेष जांच टीम (सीट) ने मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों और मंदिर से जुड़े अन्य लोगों को जांच पूरी होने तक अयोध्या न छोड़ने का सख्त निर्देश दिया है। मंदिर के सूत्रों के अनुसार, तीन सदस्यीय सीट ने रविवार को लखनऊ रवाना होने से पहले यह निर्देश जारी किया। सूत्रों के मुताबिक, जांच से जुड़ी दैनिक रिपोर्ट - जिसमें ट्रस्ट के अधिकारियों और अन्य

संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की जानकारी शामिल है - को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखा गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपने से पहले इस रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि सीट रोजाना अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को भेज रही है।

जमीन खरीद भी सीट जांच के दायरे में न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सीट की जांच सिर्फ कथित तौर पर फंड के गबन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मंदिर ट्रस्ट की ओर से अलग-अलग चरणों में जमीन की खरीद और मंदिर निर्माण के लिए सामग्री की खरीद भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट ने बाजार भाव से लगभग 500 से 800 प्रतिशत अधिक कीमत पर करीब 71 एकड़ जमीन खरीदी है। कथित तौर पर मंदिर ट्रस्ट ने बाजार भाव से कई गुना ज्यादा कीमत पर जमीन खरीदी थी। 8पर

चांदी की 200 ईंटें कहाँ?

अयोध्या राम मंदिर के दान-चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले में अब विश्व सिंधी सेवा संगम ने भी गंभीर सवाल उठाए हैं। संगम के इंटरनेशनल प्रेसिडेंट डॉ. राजू मनवानी ने राम मंदिर के दान में हेराफेरी पर खास बातचीत में बड़ा खुलासा किया है।

डॉ. राजू मनवानी ने बताया कि 26 जनवरी 2021 को उन्होंने अयोध्या में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को 1.5 करोड़ रुपये कीमत की 200 किलो चांदी दान की थी, जिसमें 1-1 किलो की चांदी की 200 ईंटें शामिल थीं। उन्होंने दावा किया, अब तक हमें इसकी कोई रसीद नहीं मिली है। ना ही हमें दानकर्ता के तौर पर समारोह में बुलाया गया और ना ही हमें यह बताया गया कि इस चांदी का इस्तेमाल कहाँ किया गया। 8पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34°
न्यूनतम : 24°

नीट परीक्षा सरकार पास

वायुसेना से पेपर पहुंचाया, 1.38 लाख सीसीटीवी

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। तीन मई को जब देश का सबसे बड़ा मेडिकल एजाम नीट हुआ तो एजाम देने वाले छात्र खुशी-खुशी घर चले गए। लेकिन कुछ ही दिन बाद पेपर लीक का मामला सामने आया और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इसे रद्द कर दिया। एनटीए के एक फैसले ने सीधे तौर पर 22 लाख से ज्यादा छात्रों पर असर डाला। इसे लेकर न सिर्फ एनटीए, बल्कि सरकार भी सीधे निशाने पर आ गई और जगह-जगह विरोध हुए। लेकिन पेपर लीक के 37 दिन बाद जब

देशभर में दोबारा नीट की परीक्षा हुई तो सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम और छात्रों ने भी ताकत लगा दी।

कई एजाम सेंटर पर छात्रों का बुलंद हौसला देखने को मिला तो कहीं पर छात्र निराश भी दिखे। कहीं पर घायल छात्रा के लिए खास इंतजाम किए गए तो कहीं पर देरी से आने पर छात्रों को सेंटर के अंदर आने भी नहीं दिया गया। कई छात्रों ने कहा कि



अगर यही इंतजाम पहले हो गए होते तो पेपर लीक ही नहीं होता। पेपर लीक होने के बाद 21 जून को जब दोबारा एजाम हुआ तो

इसे अच्छे से और बिना गड़बड़ी के करवाना सबसे बड़ी चुनौती थी। कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए देशभर के 5 हजार से ज्यादा एजाम सेंटर पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इतना ही नहीं, सरकार ने सबसे पहले टेलीग्राम पर बैन लगाया, ताकि पेपर लीक की अफवाहें न फैलें। नीट का एजाम करवाने वाली संस्था एनटीए ने बताया कि रविवार को एजाम के लिए पूरे

देश में लगभग 7 लाख से ज्यादा अधिकारियों को तैनात किया गया था, जिनमें पुलिस की टीम के साथ-साथ पर्यवेक्षक और परीक्षा कर्मचारी थे।

एजाम दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.15 बजे तक करवाया गया। दिव्यांग कैंडिडेट्स को शाम 6.20 बजे तक एजाम लिखने की अनुमति दी गई। पेपर हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 भाषाओं में करवाया गया। नीट

का पेपर सेंटर्स तक पहुंचाने के लिए वायुसेना की मदद ली गई। एनटीए के मुताबिक, नीट की परीक्षा देशभर के 551 शहरों में करवाई गई। इसके लिए देशभर में 5,440 और विदेशों में 14 एजाम सेंटर बनाए गए थे।

किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए 95 हजार से ज्यादा एजाम रूम में सीसीटीवी लगाए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि कुल 1,38,560 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी लगातार निगरानी की गई। 8पर



उत्तर कोरिया के परमाणु मुद्दे का समाधान अलग तरीके से होना चाहिए : दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति

सियोल

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यंग ने कहा है कि उन्होंने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से स्पष्ट रूप से कहा कि उत्तर कोरिया के परमाणु मुद्दे को अन्य अंतरराष्ट्रीय संकटों की तरह नहीं सुलझाया जा सकता। फ्रांस के एवियन-ले-बैंस में आयोजित शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत में उत्तर कोरिया का परमाणु कार्यक्रम प्रमुख मुद्दा रहा।

दक्षिण कोरिया की समाचार संवाद योनाहप एजेंसी के अनुसार यूरोप की 10 दिवसीय यात्रा के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में ली ने बताया कि ट्रंप ने अफसोस जताया कि उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार

विकसित करने से पहले इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया। इसके जवाब में ली ने कहा कि कोरियाई प्रायद्वीप की स्थिति मध्य पूर्व जैसे अन्य क्षेत्रों से अलग है और इसके लिए विशेष रणनीति की आवश्यकता है।

ली ने ट्रंप के सामने चरणबद्ध समाधान का प्रस्ताव रखा, जिसके तहत पहले उत्तर कोरिया में परमाणु सामग्री के उत्पादन को रोकना जाए और फिर मौजूदा परमाणु सामग्री को देश से बाहर भेजने जैसे कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक लक्ष्य पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण होना चाहिए, लेकिन उससे पहले व्यावहारिक और अल्पकालिक उपायों पर ध्यान देना जरूरी है।

राष्ट्रपति के अनुसार, ट्रंप ने इस प्रस्ताव को एक

संभावित विकल्प बताया और कहा कि वह इस पर विचार करेंगे। ली ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति उत्तर कोरिया के मुद्दे का स्थायी समाधान नहीं निकल पाने को लेकर चिंतित दिखाई दिए।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने दोहराया कि उनकी सरकार उत्तर कोरिया के साथ टूटे हुए संवाद को फिर से शुरू करने के प्रयास जारी रखेगी, हालांकि दोनों देशों के बीच तनाव लंबे समय तक बने रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका को महत्वपूर्ण मानता है, इसलिए सियोल अमेरिका और प्योंगयांग के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने में सहयोग करेगा।

यात्रा के दौरान ली ने वेटिकन में 14वें पोप लियो से

भी मुलाकात की। उन्होंने पोप को अगले वर्ष दक्षिण कोरिया में आयोजित होने वाले वर्ल्ड युथ डे कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया और उत्तर कोरिया तथा दोनों कोरिया के बीच स्थित डिमिलिटरीज्ड ज़ोन (डीएमजेड) का दौरा करने का अनुरोध किया।

ली के अनुसार, पोप ने इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि पोप को दक्षिण कोरिया और कोरियाई प्रायद्वीप में शांति स्थापना के प्रयासों में विशेष रुचि है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने यह भी बताया कि बातचीत के दौरान पोप ने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह सैमसंग की घड़ी और मोबाइल फोन तथा हंडर्ड की कार का उपयोग करते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका ने इजराइल से लेबनान में सैन्य कार्रवाई न बढ़ाने को कहा
ईरान वार्ता पर फोकस



वाशिंगटन/तेल अवीव। इजराइली मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने इजराइल पर दबाव डाला है कि वह लेबनान में किसी भी सैन्य बढ़ोतरी से बचे, ताकि स्विटजरलैंड में ईरान के साथ होने वाली महत्वपूर्ण वार्ताएं प्रभावित न हों। तुर्किए की समाचार संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी ने इजराइल के वैनल 13 की एक रिपोर्ट में एक अज्ञात इजराइली राजनयिक के हवाले से कहा गया है कि वाशिंगटन प्रशासन ने इजराइल को स्पष्ट संदेश भेजा है कि ऐसी कोई भी सैन्य कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए जिससे ईरान के साथ चल रही कुटनीतिक प्रक्रिया खलते में पड़ जाए। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने यह भी कहा है कि ऐसे हमले, जिनसे ईरान के साथ बातचीत समाप्त हो सकती है, उन्हें अमेरिका के साथ पूर्व समन्वय के बिना अंजाम नहीं दिया जाना चाहिए। इस बीच, इजराइली सेना को अपने हवाई और जमीनी हमलों में उल्लेखनीय कमी लाने, लेबनान में अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में सैनिकों को बनाए रखने तथा सैन्य कार्रवाई को केवल तत्काल खतरे की परिस्थितियों तक सीमित रखने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सेना को निर्देश दिया है कि वह आवश्यकता पड़ने तक कब्जे वाले इलाकों में बनी रहे और किसी भी हमले का कड़ा जवाब दे। उधर, स्विटजरलैंड में होने वाली वार्ता में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रकराओं से साक्षिण बातचीत की।

बांग्लादेश में भारत विरोधी प्रदर्शनों से बड़ी चिंता



ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भारत विरोधी प्रदर्शनों ने फिर चिंता बढ़ा दी है। जमात-ए-इस्लामी से जुड़े एक नए राजनीतिक मंच और अन्य कट्टरपंथी संगठनों ने भारत के खिलाफ मशाल जुलूस निकाला। प्रदर्शनकारी भारतीय उच्चायोग की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें गुलशन-1 सर्किल पर रोक दिया। इसके बाद उन्होंने वहीं धरना दिया और भारत के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला फूंककर अपना विरोध जताया। इस मार्च का आयोजन हाल ही में बनी बांग्लादेश आजाद पार्टी (बीएपी) और अन्य इस्लामी संगठनों ने किया था। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि भारत अविधे प्रवासियों और बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पार धकेलने की कोशिश कर रहा है। शीर्ष भारतीय इंटरलिजेंस सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश आजाद पार्टी का गठन जमात-ए-इस्लामी की एक बड़ी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हो सकता है। भारतीय एजेंसियां मानती हैं कि जमात सीमा विवाद, कथित पुरा-इन और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कार्रवाई जैसे मुद्दों को उछालकर भारत विरोधी माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है। खुफिया इनपुट के मुताबिक, इस मंच में जमात-ए-इस्लामी से जुड़े नेताओं के अलावा कुछ अन्य राजनीतिक चेहरे और सेवानिवृत्त सेना अधिकारी भी शामिल हैं।

रहस्यमयी धूमकेतु 3आई/एटलस हो सकता है 7 अरब साल पुराना



वाशिंगटन। अंतरिक्ष से जुड़ी एक नई खोज ने वैज्ञानिकों और खगोल विज्ञान प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। 2025 में खोजा गया अंतरतारकीय धूमकेतु 3आई/एटलस अब एक बार फिर चर्चा में है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह धूमकेतु करीब 7 अरब साल पुराना हो सकता है, यानी इसकी उम्र हमारे सूर्य और पूरे सौरमंडल से भी ज्यादा हो सकती है। यदि यह अनुमान सही निकला तो यह अब तक देखा गया सबसे प्राचीन धूमकेतु होगा, जो ब्रह्मांड के शुरुआती दौर की अहम जानकारीयें अपने अंदर समेटे हुए है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस धूमकेतु की खोज 1 जुलाई 2025 को चिली स्थित एटलस सर्वे दूरबीन द्वारा की गई थी। यह हमारे सौरमंडल के बाहर से आने वाली तीसरी ज्ञात अंतरतारकीय वस्तु है। इसकी खोज के बाद हार्वर्ड विश्वविद्यालय के खगोल भौतिक विज्ञानी एवी लोएब ने दावा किया था कि यह कोई सामान्य धूमकेतु नहीं है। उन्होंने इसकी असामान्य गति और मार्ग का हवाला देते हुए संभावना जताई थी कि यह किसी उन्नत बाह्य-ग्रहीय सभ्यता की तकनीकी संरचना या जांच यान हो सकता है। हालांकि इस दावे को वैज्ञानिक समुदाय के अधिकांश विशेषज्ञों ने संदेह की दृष्टि से देखा।

जापान में विनाशकारी भूकंप ने मचाई थी तबाही 13 मिनट बाद पूरी जमीन खिसक गई

भूकंपीय तरंग पृथ्वी के भीतर करीब 2,900 किलोमीटर की गहराई तक पहुंची फिर लौटी

टोक्यो

2011 में जापान में आया 9.0 तीव्रता का तोहोको भूकंप आधुनिक इतिहास की सबसे विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं में गिना जाता है। इस भूकंप ने भारी तबाही मचाने के साथ-साथ पृथ्वी के अंदर ऐसी गतिविधि भी पैदा की थी, जिसका रहस्य अब जाकर वैज्ञानिकों ने उजागर किया है। एक नए अध्ययन में दावा किया है कि भूकंप के दौरान उत्पन्न एक शक्तिशाली भूकंपीय तरंग पृथ्वी के भीतर करीब 2,900 किलोमीटर की गहराई तक पहुंची, जहां उसने मेंटल और बाहरी तरल कोर की सीमा से टकराकर वापसी की।

वैज्ञानिकों के मुताबिक इस तरंग के सतह पर लौटने के बाद जापान का बड़ा भूभाग पूर्व दिशा में करीब 5.5 मिलीमीटर तक खिसक गया था। यह घटना मुख्य भूकंप के करीब 13 मिनट बाद हुई थी और इसने भू-विज्ञान की कई स्थापित धारणाओं को चुनौती दी है। अध्ययन के मुताबिक भूकंप के दौरान उत्पन्न विशेष प्रकार की भूकंपीय तरंग, जिसे एससीएस वेव कहा जाता है, पृथ्वी के अंदर गहराई तक पहुंची। यह तरंग कोर-मेंटल सीमा से टकराने के बाद वापस सतह की ओर लौटी और कुल मिलाकर करीब 5,800 किलोमीटर की यात्रा पूरी की। यह दूरी पृथ्वी की त्रिज्या के लगभग बराबर मानी जाती है। जब यह तरंग दोबारा जापान पहुंची, तब उसने जमीन में सूक्ष्म लेकिन व्यापक बदलाव पैदा कर दिए।

वैज्ञानिकों को इस घटना के प्रमाण जापान के अत्याधुनिक जीपीएस आधारित भू-अवलोकन नेटवर्क से मिले। देशभर में स्थापित 1200 से ज्यादा उपकरणों ने दर्ज किया कि भूकंप के कुछ मिनट बाद जापान के कई हिस्से अचानक पूर्व दिशा की ओर खिसक गए। भूकंप केंद्र के निकट स्थित क्षेत्रों में जमीन 5.5 मिलीमीटर से ज्यादा खिसकी, जबकि मध्य और पश्चिमी क्षेत्रों में भी 4 मिलीमीटर तक का बदलाव दर्ज किया गया। यहां तक कि केंद्र से करीब 1,300 किलोमीटर दूर स्थित इलाकों में भी 2 से 3 मिलीमीटर तक का विस्थापन देखा गया।



जुड़वा बच्चों की राजधानी के नाम से जाना जाता है इम्बो-ओरा को

अबुजा। नाइजीरिया के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में बसे एक अनोखे शहर इम्बो-ओरा को पूरी दुनिया जुड़वा बच्चों की राजधानी के नाम से जानती है। करीब दो लाख की आबादी वाला यह क्षेत्र प्रकृति की एक अनूठी देन है, जिसे पूरी दुनिया जुड़वा बच्चों की राजधानी (टिवन कैपिटल ऑफ वर्ल्ड) के नाम से जानती है। शहर के केंद्र में एक खास पथर का स्मारक बना है, जिसमें एक माँ अपने जुड़वा बच्चों को गोद में धामे नजर आती है, जो यहाँ की सामूहिक पहचान का एक खूबसूरत प्रतीक है। जहाँ पूरी दुनिया में जुड़वा बच्चों का जन्म एक दुर्लभ प्राकृतिक घटना मानी जाती है, वहीं इम्बो-ओरा में यह एक सामान्य सामाजिक नियम बन चुका है। एक वैश्विक अध्ययन के अनुसार, जहाँ दुनिया में औसतन हर 1,000 प्रसव में से केवल 12 बच्चे ही जुड़वा पैदा होते हैं, वहीं इम्बो-ओरा की कहानी वैज्ञानिक रूप से बेहद चौंकाने वाली है। यहाँ प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर लगभग 45 से 50 जुड़वा जोड़े पैदा होते हैं। इस अनूठी घटना के पीछे कई सिद्धांत हैं। कुछ चिकित्सा शोधकर्ताओं का मानना है कि इम्बो-ओरा में खाए जाने वाले रतानु (याम) की कंद में फाइटोएस्ट्रोजन नामक एक रासायनिक यौगिक प्रचुर मात्रा में होता है। यह तत्व महिला के शरीर में जाकर अंडाशय को उत्तेजित करता है, जिससे मासिक धर्म चक्र के दौरान एक के बजाय दो या उससे अधिक अंडे रिलीज होने की संभावना बढ़ जाती है। इस प्रक्रिया को चिकित्सा विज्ञान में मल्टीपल ओव्यूलेशन कहा जाता है। हालांकि, वैज्ञानिक यह भी जोड़ते हैं कि केवल भोजन ही एकमात्र कारण नहीं हो सकता; सदियों से एक ही क्षेत्र में शायदियों होने के कारण यहाँ का जिन पूल भी जुड़वा बच्चों के जन्म के लिए अनुकूल हो चुका है। यहाँ के लोग इसे डब्ल्यू संस्कृति और उससे से जोड़कर देखते हैं। जुड़वा बच्चों को साक्षात ईश्वर का उपहार तथा सौभाग्य व सूरक्षा लाने वाला माना जाता है। परंपरा के अनुसार, जब भी किसी परिवार में जुड़वा बच्चे पैदा होते हैं, तो खुशी में बौन्स पकाकर पूरे मोहल्ले में प्रसाद या भेंट के रूप में बांटी जाती हैं। इसी अनूठी पहचान का जपन वैश्विक स्तर पर मानने के लिए साल 2018 से हर साल 11 अक्टूबर को यहाँ वर्ल्ड टिवन्स फेस्टिवल मनाया जाता है, इस दिन दुनियाभर से जुड़वा लोग जुटते हैं। जब बात दुनिया के टिवन कैपिटल की हो रही हो, तो ऐसे में भारत की टिवन कैपिटल का जिक्र करना भी जरूरी हो जाता है। भारत में भी एक जगह है जो जुड़वा लोगों की जन्मदर को लेकर चर्चा में रहती है। यह जगह है केरल के मलप्पुरम जिले का कोडिंडी गाँव।

आस्ट्रेलिया में मिला एच5 बी पलू, दुनिया के सभी महाद्वीप इसकी चपेट में



सिडनी। आस्ट्रेलिया में पहली बार एच5 बी पलू वायरस की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही यह वायरस अब दुनिया के सभी महाद्वीपों में पहुंच चुका है। आस्ट्रेलिया की कृषि मंत्री जुली कालिन्स ने इसकी जानकारी शनिवार को दी। उन्होंने बताया कि पश्चिमी आस्ट्रेलिया के एक दूरदराज इलाके में प्रवासी समुद्री पक्षी ब्राउन स्कूआ में एच5 बी पलू पाया गया है। इसकी पुष्टि देश की राष्ट्रीय विज्ञान एजेंसी ने की है। इसके अलावा एक बीमार जायंट पेट्रेल पक्षी के संपल में संक्रमण की आशंका जताई गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले आस्ट्रेलिया ही दुनिया का एकमात्र महाद्वीप था, जहां एच5 बी पलू पेट्रेल नहीं मिला था। यह वायरस मुर्गियों और जंगली पक्षियों में तेजी से फैलता है और बड़ी संख्या में उनकी मौत का कारण बन सकता है। मामलों को देखते हुए पशु स्वास्थ्य और कृषि अधिकारियों की आपात बैठक बुलाई। इसमें वायरस के फैलाव को रोकने और राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता प्रचार की गई। रिपोर्ट के मुताबिक आस्ट्रेलिया के पीपुल एथनी अल्वन-जी ने कहा कि यह चिंता की बात है। सरकार वायरस के फैलाव को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि यह संक्रमण प्रवासी पक्षियों के जरिए यहां पहुंचा है। दुनिया के कई देशों में ऐसा हो चुका है और इसी वजह से हम पहले से तैयारी कर रहे थे।

फोटो, लोकप्रियता और ईरान पर टकराए ट्रंप-मेलोनी, बढ़ा राजनीतिक विवाद

अंकारा/रोम

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। फ्रांस के एवियन-ले-बैंस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के बाद दोनों नेताओं ने एक-दूसरे पर सार्वजनिक रूप से तीखे आरोप लगाए हैं, जिससे दोनों देशों के नेताओं के रिश्तों में बढ़ते तनाव की चर्चा शुरू हो गई है।

तुर्किए की समाचार संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी के अनुसार ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर दावा किया कि जी-7 बैठक के दौरान मेलोनी ने उनके साथ कई बार फोटो खिंचवाने की इच्छा जताई थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इटली में मेलोनी की लोकप्रियता घट रही है और वह अपनी छवि सुधारने के लिए उनके साथ नजदीकी दिखाना चाहती हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इटली ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों में अपने



कुछ ठिकानों और हवाई अड्डों के उपयोग की अनुमति नहीं दी थी। ट्रंप ने दावा किया कि अब जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई

में सफलता हासिल की है, तो मेलोनी फिर से संबंध सुधारने की कोशिश कर रही हैं।

हालांकि, प्रधानमंत्री मेलोनी ने ट्रंप के

यूक्रेन ने बेलारूस को दी चेतावनी- एयर डिफेंस सिस्टम हटाओ या कार्रवाई झेलो

कीव/मिन्स्क

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्स्की ने बेलारूस को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह अपनी दक्षिणी सीमा पर तैनात एयर डिफेंस रडार और संबंधित सैन्य उपकरणों को एक सप्ताह के भीतर नहीं हटाता है, तो यूक्रेन सैन्य कार्रवाई करने पर विचार कर सकता है।

रूस की सरकारी नियंत्रण वाली अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रूस टूडे (आरटी) के अनुसार कीव में आयोजित एक प्रेसवार्ता में जेलेन्स्की ने कहा कि बेलारूस को अपने शांतिपूर्ण इरादों को साबित करने के लिए सीमा क्षेत्र से एयर डिफेंस सिस्टम और रिले ट्रांसमीटर हटाने चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के लिए एक सप्ताह का समय पर्याप्त है और यदि मिन्स्क ऐसा नहीं करता, तो यूक्रेन स्वयं कार्रवाई करेगा।

यह बयान ऐसे समय आया है जब हाल ही में रूस के ब्रिग्यास्क क्षेत्र में बच्चों की एक फुटबल टीम को ले जा रही बस पर ड्रोन हमला हुआ था। इस घटना में कई बच्चे घायल हुए थे, जबकि एक महिला की मौत हो गई थी। बेलारूस ने इस हमले



को उकसावे वाली कार्रवाई बताते हुए इसकी निंदा की है। हालांकि, यूक्रेन ने हमले में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने हाल ही में कहा था कि उनका देश किसी भी सैन्य संघर्ष में शामिल होने का इच्छुक नहीं है और वह किसी भी पड़ोसी देश के लिए खतरा नहीं है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि बेलारूस को संघर्ष में घसीटने की कोशिश करने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

प्रेसवार्ता के दौरान जेलेन्स्की ने बेलारूस के तेल शोधन उद्योग का भी उल्लेख किया और

संकेत दिया कि रूस के साथ उसके ऊर्जा सहयोग पर दबाव डाला जा सकता है। उन्होंने दावा किया कि बेलारूस रूस को पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। गौरतलब है कि, 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से बेलारूस ने खुद को प्रत्यक्ष सैन्य भागीदारी से दूर रखा है। मिन्स्क लगातार दोनों पक्षों से वार्ता और कुटनीतिक समाधान की अपील करता रहा है। बीते वर्षों में बेलारूस ने कई मानवीय और मध्यस्थता संबंधी पहल की हैं, जिनमें यूक्रेनी नागरिकों की रिहाई और संभावित शांति वार्ता की पेशकश शामिल है।

ट्रंप की टिप्पणियों के बाद इटली के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने भी अपना प्रस्तावित अमेरिका दौरा रद्द कर दिया, जिससे दोनों देशों के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव के संकेत मिले। गौरतलब है कि, कुछ समय पहले तक ट्रंप और मेलोनी को करीबी राजनीतिक सहयोगी माना जाता था। ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित होने वाली मेलोनी को लेकर अमेरिकी नीति, सैन्य सहयोग और हाल के सार्वजनिक बयानों ने दोनों नेताओं के रिश्तों में दरार पैदा कर दी है। विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद केवल व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका और इटली के बीच विदेश नीति तथा सुरक्षा मामलों में उभरते मतभेदों की भी दर्शाता है। फिलहाल, दोनों पक्षों की ओर से कोई नरमी के संकेत नहीं मिले हैं, जिससे आने वाले दिनों में यह कुटनीतिक तनाव और बढ़ सकता है।

आज का राशिफल

मेघ - चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी सेहत के बारे में ज़रूरत से ज़्यादा चिंता न करें। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुफ्त लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ बक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे। आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एकदम खिलती है। आज की शाम दोस्तों के साथ कहीं बाहर जाए आप जा सकते हैं।

वृषभ - इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका ऊर्जा-स्तर ऊंचा रहेगा। यह नज़रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। बच्चे आपको घोलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुस्सू कर सकते हैं। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

मिथुन - क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

दिन बढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आज ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे। आपको अपने जन्मदिन पर काबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामलों को और भी बिगाड़ दे। जो लोग घर से बाहर हूँ तो आज वो अपने सारे काम पूरे करते शाम के समय किसी पार्क या एकान्त जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। अपनी खुशी को जाहिर करें इससे आपके जुड़े लोगों को भी खुशी मिलती है।

कर्क - ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। अपने धन का संयोजन कैसे करना है यह हमें आज आसानी से नहीं मिलेगा। और इस हद तक सोचें कि आप अपना धन क्या कर सकते हैं। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक्त बिताने, लेकिन गाड़ी चलाते वक्त ज़्यादा सावधानी बरतें। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताजा कर देगा। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा।

सिंह - म,मी,मु,मे,मो,टा,टी,दू,टे

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार होंगे। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विचारसमय रहेगा। आज काफ़ी दिग्विजय मुम्किन है। आपमें से कुछ लोग खेल खेल सकते हैं, ज़ूम-पहेली हल कर सकते हैं, कहानी लिखने वाले लेखक समूहों, राइटर्स ग्रुपों की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। वैवाहिक जीवन में सामंजस्य बनाकर चले नहीं तो साइड इन्वेस्टमेंट भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

कन्या - टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज विना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मान्यता आपके लिए नहीं बचा है, आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज कोई खेल-खेल करने हैं या निम्न जा सकते हैं। मित्रों के साथ खूबसूरत नज़र आना, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है। दोस्तों के साथ खाली बक्त में आप गहरा पत्र कर सकते हैं।

तुला - र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपके माथ पर है। पुराने मित्रों के चलते आय में बढ़ोतरी नज़र आ रही है। आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन-साथी आपको खुशी देने का हर प्रयास करेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात जाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आज आपको अत्यधिक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से परिवारों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है। यदि आपके कोई बात करना चाहे और आपका मुँह बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

वृश्चिक - तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा-सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा-स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। विना बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपके आर्थिक लाभ हो सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपको अपने प्रिय का एक अलग ही अन्दाज़ देखने को मिल सकता है। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने से लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिससे आपका कोई लैन-देन नहीं है।

धनु - ये,यो,म,मी,भू,धा,फा,भा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की ज़रूरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपको योग्यताएँ पढ़ायावारी हैं और उन्हें आमली ज़ाना पहचाना मुम्किन है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। यह दिन शादीशुदा जिन लोगों के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। किसी करीबी और पुराने मित्र से मिलकर आज आप अतीत के सुनहरे दिनों में खो सकते हैं।

मकर - भो,ज़,ज़ी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

छोटी-छोटी चीज़ों को ख़ुद के लिए परेशानी का सबब न बनने दें। निम्न लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जो काम आप आज पूरे करने में सक्षम हैं उन्हें कल पर ना ही टालें तो आपके लिए अच्छा रहेगा।

कुम्भ - गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,व

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशख़बरीयां पल लेकर आएगा। आर्थिक रूप से आज आप काफी मजबूत नज़र आएंगे, यह नज़रों की चाल से आज आपको लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे, सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। अपने शरीर की दुख़त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा चले जाएगा। संभव है कि आज आपकी जीभ को भरपूर मज़ा मिले - किसी उच्च रेस्तरां में जाना मुम्किन है और लज़ीज़ खाने का लुफ्त उठा सकते हैं।

मीन - दी,दू,थ,झ,झ,दे,दो,वा,वी

घर की छोटी-छोटी चीज़ों पर आज आपका बहुत धर ख़ाब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। अपनी पत्नी/पति के साथ विवेकिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। खाली बक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जायेंगे। जीवनसाथी के साथ कुछ क़ानूनी मुम्किन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चिड़ भी सुनइ जायेंगी।

गंगा तट पर धर्म मंथन : हरिद्वार में विहिप के मार्गदर्शक मंडल की बैठक संपन्न

गो-रक्षा से धर्मांतरण तक पर हुई गहन चर्चा

युवा पीढ़ी में बढ़ते नशे पर संतों ने जताई चिंता,

राष्ट्र-धर्म रक्षा के लिए समाज जागरण का आह्वान

हरिद्वार, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पावन गंगा तट स्थित तीर्थनगरी हरिद्वार में विश्व हिंदू परिषद (तक़्क) की केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक का भव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण में आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस चिंतन शिविर में देशभर के प्रतिष्ठित संत-महात्मा, धर्माचार्य, तक़्क का केंद्रीय नेतृत्व, संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी तथा विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए। राष्ट्र, धर्म और समाज की रक्षा एवं सशक्तीकरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

बैठकों में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष श्री आलोक कुमार, महासचिव श्री कैलाश भंडारा, अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री मिलिंद परांडे, सह संगठन मंत्री श्री

विनायक राव देशपांडे, धर्माचार्य संपर्क प्रमुख श्री अशोक तिवारी सहित अनेक राष्ट्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भारत के साथ-साथ विश्व के विभिन्न देशों से आए सनातन परंपरा के प्रमुख संत-महात्माओं तथा हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख धर्माचार्यों ने भी भाग लेकर अपने मार्गदर्शक विचार प्रस्तुत किए।

बैठकों में देश के समक्ष उपस्थित अनेक गंभीर विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल रहे: गोहत्या की बढ़ती घटनाएँ, धर्मांतरण की समस्या, हिंदू जनसंख्या में गिरावट और मुस्लिम जनसंख्या में वृद्धि, मादक पदार्थों का बढ़ता प्रचलन, युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, युवाओं में नशे पर संतों ने जताई चिंता।

संत-महात्माओं ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत का भविष्य निर्माण करने वाली युवा पीढ़ी नशे और मादक पदार्थों की गिरफ्त में आती जा रही है, जो राष्ट्र के लिए गंभीर चुनौती है। इस विषय पर समाज को जागरूक करने तथा युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

हिंदू समाज के समक्ष उपस्थित चुनौतियों

का सामना करने के लिए समाज जागरण, गो-रक्षा, धर्म-रक्षा, पारिवारिक मूल्यों का संरक्षण, युवाओं में राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास तथा सनातन धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने जैसे विषयों पर विस्तृत कार्ययोजनाएँ तैयार की गईं।

संत-महात्माओं ने आह्वान किया कि धर्म, राष्ट्र और समाज की रक्षा के लिए प्रत्येक हिंदू को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए तथा आवश्यकता पड़ने पर संगठित एवं लोकतांत्रिक रूप से संघर्ष के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

तेलंगाना से भी पहुंचे प्रतिनिधि बैठकों में तेलंगाना से धर्माचार्य संपर्क प्रमुख श्री पण्डाकुला बालस्वामी, सह संपर्क प्रमुख श्री हरिकृष्ण शर्मा, केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल सदस्य संत संग्राम महाराज, स्वामी दुर्गानंद पुरी, स्वामी विशोक तीर्थ, स्वामी देविदास महाराज तथा श्री राजू शर्मा सहित अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सनातन मूल्यों की रक्षा, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्र के पुनर्निर्माण के उद्देश्य से आयोजित यह केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल बैठक देशभर के धार्मिक एवं सामाजिक वर्गों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध हुई।

सत्यनारायण मंदिर का 63वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया



निज़ामाबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामगोपाल वीथि स्थित सिखवाल भवन के सत्यनारायण मंदिर में ज्येष्ठ सुदी पंचमी, शुक्रवार को भगवान सत्यनारायण का 63वां स्थापना दिवस-वार्षिकोत्सव भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर यजमान रमेशचंद्र जी, आशीष व कुष्णा नागला परिवार द्वारा प्रातः 6:31 बजे अभिषेक, 10:30 बजे हवन तथा 12:21 बजे आरती व महाप्रसाद का आयोजन किया गया। तत्पश्चात यजमान परिवार का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समाज के बुजुर्ग, युवा, महिलाएं व मंदिर समिति के पदाधिकारी-सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बिचकुंडा में पूर्व विधायक शिंदे का जल-सत्याग्रह

बांसवाड़ा, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुकल के पूर्व विधायक हनुमंत शिंदे ने BRS कार्यकर्ताओं के साथ बिचकुंडा शहर में अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। हल्की बारिश के बाद घुटनों तक भरे गंदे पानी में बैठकर उन्होंने कांग्रेस सरकार पर विकास रोकने का आरोप लगाया। शिंदे ने सड़क चौड़ीकरण और सेंट्रल लाइटिंग का काम तुरंत पूरा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि 12 करोड़ की लागत से मुख्य सड़क का काम पिछले तीन साल से अधूरा है, पैदल चलना भी मुश्किल है। चेतावनी दी कि समाधान न होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। विरोध में BRS के मंडल व शहरी नेता-कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बांसवाड़ा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास

बांसवाड़ा, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को एसएमबी फंक्शन हॉल में योग कार्यक्रम आयोजित हुआ। आरडीओ रविंदर रेड्डी की देखरेख में आयुष विभाग के योग प्रशिक्षक श्रीनिवास गौड़ ने सख्क व्यायाम, योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, शिक्षक, सरकारी कर्मचारी और नर्सिंग कॉलेज के छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए। आरडीओ रविंदर रेड्डी ने कहा, योग भारत की ओर से विश्व को दिया गया अनमोल उपहार है। यह शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य और आत्मविश्वास बढ़ाता है। तनाव दूर करने का सर्वोत्तम उपाय योग है। इस अवसर पर पीआरटीयू जिलाध्यक्ष कुशाल, कसुला रोहित, कालेक, गौस, मांडा प्रवीण कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

राजाजीनगर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य योग शिविर

बेंगलूर, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्री जैन श्वेतांबर तैरापथ सभा, राजाजीनगर के तत्वावधान में प्रेस्टीज वेस्ट वुड्स परिसर में भव्य योग शिविर आयोजित हुआ। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, युवाओं व बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। मुख्य अतिथि अधिवक्ता प्रसन्न कुमार पी. रहे। विशिष्ट अतिथियों में उदय शेड्डी, अश्विन सेमलानी, अध्यक्ष जगदीश, अशोक चौधरी, ललित मंडोत व प्रेक्षा ध्यान प्रशिक्षिका रेनु कोठारी शामिल रहे। योग संयोजक उत्तमचंद गत्रा ने ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति आदि का अभ्यास कराया। रेनु कोठारी ने प्रेक्षा ध्यान सत्र लिया। वक्ताओं ने योग को शरीर, मन और आत्मा का सामंजस्य बताते हुए इसे दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन इप्रतिदिन योग स्वस्थ जीवन का आधार के संकल्प के साथ हुआ।

योग ग्राम शिविरों के जरिए सेहत सही लाभ कईफा संदेश, योग प्रशिक्षक सम्मानित

युवाओं के लिए निस्वार्थ भाव से सेवा की जा रही है। सेवा, समर्पण और मानवता का जो अद्भुत संगम इस समूह में देखने को मिलता है, वह समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि यह सब राधे रानी की असीम कृपा एवं बड़े-बुजुर्गों के आशीर्वाद का प्रतिफल है, जिसके कारण ग्रुप निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से लोगों के जीवन में खुशियां बांट रहा है। उन्होंने सभी सदस्यों से सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा कार्यों में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर राजश्री गुप्ता, कुशाग्र गुप्ता, महिमा जैन, अनीशा गुप्ता, मनीषा गुप्ता, उमा डालमिया, उर्मिला गुप्ता, उमाकांतजी गुप्ता, सुभाष गुप्ता एवं मनीष अग्रवाल उपस्थित रहे। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से संचालित किए जा रहे सेवा एवं अन्नदान कार्यों की सभी ने सराहना की।

लोकतंत्र को संवाद चाहिए और संवाद के लिए मन का संतुलन योग यही सिखाता है : ओम बिरला

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर संसद भवन परिसर में लोकसभा अध्यक्ष ने सांसदों के साथ किया योगाभ्यास

नई दिल्ली, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में शनिवार को संसद भवन परिसर में सांसदों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस भारत की उस शाश्वत सभ्यतागत विरासत का उत्सव है, जिसने मानवता को स्वास्थ्य, संतुलन और आंतरिक शांति का मार्ग प्रदान किया है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, योग केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि विचारों को भी संतुलित करता है। संसद में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन योग हमें संवाद, संयम और सहअस्तित्व का मार्ग दिखाता है। लोकतंत्र को संवाद चाहिए और संवाद के लिए मन का संतुलन आवश्यक है, जो योग सिखाता है। योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत के ऋषियों-मनीषियों ने सदियों तक योग परंपरा के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए तथा इसे जीवन की एक उत्कृष्ट पद्धति के रूप में स्थापित किया। इसका उद्देश्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मिक उन्नति और



मानव चेतना का जागरण भी है। उन्होंने कहा कि आज योग एक वैश्विक जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है और विश्व के अनेक देशों में इसे अपनाया जा रहा है। योग भारत की हजारों वर्षों पुरानी ज्ञान-परंपरा का ऐसा उपहार है, जो संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। समकालीन जीवन में योग की प्रासंगिकता पर बल देते हुए श्री बिरला ने कहा कि वर्तमान समय तनाव, असंतुलन और निश्चिंतताओं से भरा हुआ है। ऐसे दौर में योग मानसिक शांति, धैर्य, भावनात्मक संतुलन और अनुशासित जीवनशैली बनाए रखने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक मानसिक तनाव है और योग इसका सुलभ, वैज्ञानिक तथा समावेशी समाधान प्रस्तुत करता है। विशेष रूप से डिजिटल युग में युवाओं को बढ़ते स्क्रीन टाइम और मानसिक दबाव के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए योग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि योग केवल फिटनेस कार्यक्रम नहीं, बल्कि व्यक्ति, चरित्र और चेतना के समग्र विकास का सशक्त माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति अधिक संतुलित, आत्मविश्वासी और बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनता है, जिससे उसके संपूर्ण स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि होती है।

उन्होंने कहा, स्वस्थ नागरिक ही मजबूत लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि देश के 140 करोड़ नागरिक प्रतिदिन कुछ मिनट योग के लिए निकालें, तो यह भारत की सबसे बड़ी जन-स्वास्थ्य क्रांति सिद्ध हो सकती है।

राधे-राधे ग्रुप से जुड़कर जीवन हुआ धन्य : राजश्री गुप्ता



हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस

अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा कार्य किया गया। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राजश्री गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद से जुड़कर उनका जीवन धन्य हो गया है। उन्होंने कहा कि यहां बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए निस्वार्थ भाव से सेवा की जा रही है। सेवा, समर्पण और मानवता का जो अद्भुत संगम इस समूह में देखने को मिलता है, वह समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि यह सब राधे रानी की असीम कृपा एवं बड़े-बुजुर्गों के आशीर्वाद का प्रतिफल है, जिसके कारण ग्रुप निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से लोगों के जीवन में खुशियां बांट रहा है। उन्होंने सभी सदस्यों से सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा कार्यों में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर राजश्री गुप्ता, कुशाग्र गुप्ता, महिमा जैन, अनीशा गुप्ता, मनीषा गुप्ता, उमा डालमिया, उर्मिला गुप्ता, उमाकांतजी गुप्ता, सुभाष गुप्ता एवं मनीष अग्रवाल उपस्थित रहे। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से संचालित किए जा रहे सेवा एवं अन्नदान कार्यों की सभी ने सराहना की।

खम्मम में मां के जहर खिलाने से दो बच्चों की मौत, मां की हालत गंभीर

खम्मम, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के खम्मम जिले में पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद के बाद एक दर्दनाक घटना सामने आयी है, जिसमें दो मासूम बच्चों की मौत हो गयी है, जबकि उनकी मां की हालत गंभीर बनी हुई है। प्राथमिक जांचकारी के

अनुसार, महिला ने कथित तौर पर अपने दो बच्चों, वैदिक (7) और तनिका (5) को कीटनाशक खिला दिया और उसके बाद खुद भी जान देने का प्रयास किया। जहरीला पदार्थ खाने से दोनों बच्चों ने दम तोड़ दिया, जबकि मां अचेत और गंभीर हालत में मिली। स्थानीय निवासियों को जब इस स्थिति का पता चला, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि महिला को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 जून 2026, सोमवार
विक्रम संवत् : 2083
मास : ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी सार्य 03:42 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी प्रातः 10:23 तक
योग : व्यतिपात प्रातः 10:30 तक
करण : बव सार्य 03:42 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:48 (बेंगलूर)
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36, सूर्यास्त 06:42 (विजयवाड़ा)

शुभ वीथिया
अमृत : 06:00 से 07:30
गुण : 09:00 से 10:30
जल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
साहसाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिवालगुण : पूरु दिवा
उपवास : सूर्योदय तक यात्रा का आभार करें
दिव्य विचार : शुभ अमृत, धूम्रवी जलने, अमृत में गीत कर। [1:53] से

पं.चिदम्बर मिश्र (पूर्व मन्हाज) हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पाठ्यक्रम, वास्तुशास्त्र, गृहप्रवेश, शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शांति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं। फ़ाइल का मन्दि, रिकार्डगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना) 9246159232, 9866165126 chidamber011@gmail.com

शादी में बारिश का होना कैसा शगुन होता है



मौसम कैसा होगा- सबको चिंता होती है कि कहीं बारिश आफत ना बन जाये। लोगों को चिंता रहती है उस दिन मौसम खराब या अप्रत्याशित ना हो जाये इसलिए लोग भावी मौसम की भविष्यवाणी जानते रहते हैं। शादी है खुशी का दिन-आपकी शादी का दिन आपके जीवन का सबसे खुशी का दिन होना चाहिए। यह दिन प्यार, खुशी, आशा, उम्मीद, और उत्साह से भरा हुआ होना चाहिए। बारिश फलदायी है-बारिश से सूखे स्थानों को पानी मिलता है, फसलें लहलहाती हैं, इस प्रकार बारिश फलदायी है और

इसे अच्छे भाग्य का प्रतीक माना जाता है। इसे ध्यान रखते हुये शादी के दिन होने वाली बारिश को अच्छी किस्मत की निशानी माना जाता है। बारिश कई अच्छी चीजों की प्रतीक है-आपके जीवन के इस खास दिन पर होने वाली बारिश को कई कारणों से अच्छे भाग्य की निशानी माना जाता है। बारिश आशीर्वाद, सफाई, एकता, और एक नई शुरुआत की प्रतीक है। कुछ संस्कृतियों में इसे परिवार के बढ़ने की प्रतीक भी माना जाता है। इन सभी सकारात्मक कारणों से शादी के दिन होने वाली बारिश को अच्छा शगुन माना जाता है।

आपका क्या मानना है। आशा और आशीर्वाद-बारिश आशीर्वाद की प्रतीक है, और हर कोई अपनी शादी में आशीर्वाद प्राप्त करना चाहता है। आशीर्वाद आशा और समर्थन का सूचक है। जब आप एक नई संभावनाओं के साथ नई शुरुआत करने जा रहे हों तो आपको आशावादी जरूर होना चाहिए। समृद्धि-आशीर्वाद, शारीरिक और भौतिक दोनों अर्थों में समृद्धि का प्रतीक है। एक खुशहाल जीवन की आशा में, शादी के दिन होने वाली बारिश को अच्छे भाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

नई शुरुआत-बारिश के बाद हर चीज साफ हो जाती है और हर चीज तरताजा एवं नई नजर आती है। जो लोग शादी करने करने जा रहे हैं वो भी नए सपने बुनते हुये एक साथ एक नई जिंदगी बसर करने जा रहे हैं। बारिश एक नई शुरुआत की सूचक है।

परिवार के बढ़ने का संकेत-इसके साथ ही बारिश परिवार के बढ़ने का संकेत है। पानी से चीजें उगती और बढ़ती हैं। लोगों को उम्मीद होती है शादी के बाद उन्हें बच्चों की प्राप्ति होगी। इसलिए कुछ संस्कृतियों में माना जाता है बारिश नवयुगल के बच्चे पैदा होने और परिवार बढ़ने का संकेत है, इसलिए यह एक प्रकार का आशीर्वाद है।

भौतिक संपत्ति-चीजों में वृद्धि होने तात्पर्य भौतिक धन-धान्य से है इसलिए यह प्रचुर मात्रा में संसाधनों, उत्पादकता, और एक अच्छी फसल आदि का प्रतीक है।

एकता-शादी के दिन बारिश होने को एकता का सूचक भी मान सकते हैं। इसके पीछे तर्क यह है कि शादी वाले आपस में गठजोड़ करते हैं यानि कि "गाँठ बांधते हैं।"

भारतीय महिलाएं क्यूं लेती हैं अपने सिर पर घूंघट

हमारे भारतीय समाज में महिलाओं को हमेशा समाजिक परंपराओं को निभाते और मानते हुए देखा गया है, जैसे कि वे हमेशा ही पारंपरिक कपड़े, और गहने, पहनती हैं, माथे पर बिंदी लगाती हैं और सर पर घूंघट लेती हैं। भारत में महिलाओं द्वारा सिर को ढकने की प्रथा ने हमेशा ही हमारे अंदर जिज्ञासा बढ़ाई है, खासतौर पर उन लोगों के लिये जो भारतीय संस्कृति से बिल्कुल अलग हैं। हिंदू परंपराओं के पीछे छुपे विज्ञान को समझना है जरूरी सिर पर घूंघट डालना अपने से बड़ों के सम्मान के रूप में देखा गया है, इसलिए महिलाएं अपनी से बड़ों के सामने अक्सर घूंघट करती हैं। शहरों में यह कुछ कम देखने को मिलता है मगर गांवों में आज भी महिलाएं अपने सर, चेहरा और गर्दन को पुरुषों से ढांक के रखती हैं।

भारतीय महिलाएं घूंघट क्यों लेती हैं।

क्या कहता है हिंदू ग्रंथ: आपको यह जान के आश्चर्य होगा कि हिन्दू धर्म ग्रंथों में महिलाओं को पर्दे में रहने का कोई उल्लेख नहीं है। यहाँ तक कि पूजा के समय भी सर पर घूंघट रखना जरूरी नहीं है। भारतीय महिलाएं क्यूं पहनती हैं नोज रिंग सुरक्षा के कारण: कुछ धर्मों में पर्दा रखना इसलिए जरूरी है, क्योंकि यह माना जाता है कि अगर महिलाएं खुद को पर्दे में रखेंगी तो वे अन्य पुरुषों से सुरक्षित रहेंगी। महिलाएं केवल अपने पति या पिता के सामने बेपर्दा हो सकती हैं।

मुस्लिम का आक्रमण: महिलाओं को पर्दे में रखने का रिवाज मुस्लिम शासन के बाद से हुआ है। भारत में राजपूत शासन के दौरान महिलाओं को

आक्रमणकारियों के बुरे इरादों से बचाने के लिए उन्हें पर्दा में रखा जाता था। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं चित्तौड़ की रानी पद्मिनीजिनकी खुबसूरती को देख कर अल उद दीन खिलजी ने उन्हें पाने के लिए चित्तौड़ पर आक्रमण कर था। लेकिन रानी पद्मिनी ने जौहर का प्रदर्शन किया और दुश्मन के चंगुल से बचने के लिए खुद को आग के हवाले कर दिया। तब से भारत में महिलाओं को पर्दे में रखने का रिवाज शुरू हो गया। घूंघट का अस्तित्व



हम क्यूं चढ़ाते हैं सूर्य देवता को जल

हमारे माता- पिता और दादा-दादी हमें बचपन से सिखाते आये हैं कि सुबह जल्दी उठो और सूर्य को जल चढ़ाओ ऐसे समाज में जहाँ हम संस्कारों, विश्वासों और मान्यताओं को मानते हैं वहाँ या जानना जरूरी है कि सूर्य को जल चढ़ाना वाकई में लाभप्रद है या एक झूठी मान्यता है।

अनेकों शोधकर्ताओं ने लोटे से सूर्य को जल चढ़ाने के वैज्ञानिक कारण बताये हैं। जब हम दोनों हाथ सूर्य की ओर ऊपर करके लोटे से जल प्रवाहित करते हैं तो लोटे से बहुत हल्की धार नीचे आती है और हम सूर्य की तेज किरणों के कारण उसकी तरफ नहीं देख सकते हैं। जब कि हमारे पूर्वज प्रातः काल की बेला में जब सूर्य उदय होता है तो बड़े किनारों वाले बर्तन से सूर्य को जल चढ़ाते थे कुछ धर्मों में क्यूं वर्जित है प्याज, लहसुन और मटिदा का सेवन जब वे सूर्य की ओर जल चढ़ाते थे तो गिरते हुए पानी में आँखों के सामने सूर्य की परछाईं दिखाई देती थी इससे हमारे पूर्वज और साधु संत सूर्य के दर्शन कर लिया करते थे।

इससे सूर्य की किरणें बहते पाने से फिल्टर होकर आती थी जो कि ना केवल आँखों के लिए अच्छा है बल्कि इससे हमारे पूर्वजों को शरीर और आत्मा में नई ऊर्जा का संचार होता था।

वैज्ञानिकों के अनुसार सुबह के समय सूर्य की किरणें मनुष्य के लिए लाभकारी है क्योंकि हमारा शरीर ऊर्जा से बना है और एक

प्रकाश पुंज की भांति है। मनुष्य का शरीर हवा (वायु), पानी (जल), धरती (पृथ्वी), अग्नि (एनर्जी) और अंतरिक्ष (आकाश) से मिलकर बना है इसलिए शरीर की बिमारियों का ईलाज इन पांच तत्वों में निहित है और उगते हुए सूर्य की किरणें इनमे से एक हैं। सूर्य की किरणों में बहुत सी बिमारियों का ईलाज संभव है जैसे कि हार्ट की बीमारियाँ, आँख, पीलिया, कुष्ठ और कमजोर दिमाग से सम्बंधित बीमारियाँ हिंदू क्यूं नहीं खाते गोमांस ऋग्वेद में कहा गया है कि सूर्य हमें जगाता है। इसी के कारण हम एक्टिव रहते हैं और काम कर पाते हैं। सारा चराचर जगत सूर्य पर निर्भर है। सूर्य शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कमजोरियों को हटाकर हमें स्वस्थता और लम्बी उम्र प्रदान करता है। सूर्य के सात रंग स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं।

यदि व्यक्ति सुबह नहा-धोकर पूजा अर्चना करे और इसके बाद सन-बाथ ले यानि सूर्य की किरणों को अपने ऊपर आने दे तो इससे शरीर को रोगमुक्त रखा जा सकता है और बुद्धिमता भी बढ़ाई जा सकती है।

दूसरी तरफ कुछ लोगों की मान्यताएँ हैं कि सूर्य प्यासा नहीं है और क्या इस तरह हमारा जल सूर्य तक पहुँचता है। इसको सिद्ध करने के लिए एक संत ने गंगा के किनारे पानी को निकलने के लिए 2-3 फीट का एक रास्ता बना दिया जब



लोगों ने पुछा कि वह गंगा के पवित्र पानी को खराब क्यों कर रहा है तो संत ने कहा कि उसने पानी को अपने खेतों की ओर मोड़ा है। अन्य संतों ने क्रोधित होकर कहा कि पानी ऐसे उसके खेतों तक कैसे जा सकता है तो संत ने मुस्कुराते

हुए कहा कि तो क्या तुम्हारे द्वारा सूर्य को चढ़ाया हुआ जल क्या उस तक पहुँचता है। फिर भी 'अर्घ्य' के बारे में हम कौनसी मान्यता को मानें और दो दार्शनिकों में मतभेद बरकरार रहता है।

इस पर्वत पर गिरा था देवी सती का सिर

चंबा-मसूरी मोटर मार्ग पर तीन हजार मीटर की ऊंचाई पर सुरकुट पर्वत पर सिद्धपीठ सुरकंडा मंदिर स्थित है। मान्यता है कि देवी सती का सिर इस पर्वत पर गिरा था। गंगा दशहरे के मौके पर यहां मेला लगता है, जबकि हर साल नवरात्रि में मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। जब राजा दक्ष ने हरिद्वार कनखल में यज्ञ किया तो उसमें भगवान शिव को आमंत्रित नहीं किया। शिव के मना करने पर भी देवी सती यज्ञ में शामिल होने चली गईं। वहां भगवान शिव का अपमान होने पर वे यज्ञ में क्रुद्ध गईं। भगवान शिव को जब यह पता चला तो वह क्रोधित होकर यज्ञ स्थल पर पहुंचे। यहां सती की देह को त्रिशूल में लटकाकर सृष्टि में विचरण करने लगे। इस दौरान सुरकुट पर्वत पर सती का सिर गिरा जिस कारण इसका नाम सुरकंडा पडा।

तभी से यह स्थान सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध है। सिद्धपीठ सुरकंडा मंदिर इकलौता सिद्धपीठ है, जहां गंगा दशहरे के मौके पर मेला लगता है और हर साल नवरात्रि में मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। खास बात यह है कि मंदिर में प्रसाद के रूप में रौसली (धुनेर) के पत्ते दिए जाते हैं। दूर-दूर से लोग इस सिद्धपीठ के दर्शनों के लिए यहां आते हैं।



क्या है यमराज द्वारा बताये मृत्यु रहस्य

हम सभी जानते हैं कि हम अमर नहीं हैं और एक दिन हमें मरना है। काल की घड़ी में धनी राज या भिखारी का एक ही स्थान है। जब भी मृत्यु का विषय आता है, चर्चा काफी रोचक हो जाती है क्योंकि सभी मृत्यु के बारे में और जानना चाहते हैं। लोग मृत्यु के बारे में सब कुछ जानने के लिये जिज्ञासु हो जाते हैं। जो लोग ऐसी चीजों के बारे में जानना चाहते हैं वो सही जगह पर आये हैं क्योंकि बौद्धिकी मृत्यु के देवता यमराज द्वारा मृत्यु के बारे में बताये गये कुछ छिपे रहस्यों को उजागर कर रहा है। प्रचीन धर्मग्रन्थों के अनुसार मृत्यु और आत्मा के रहस्यों के बारे में यमराज और नचिकेत नामक बालक के बीच चर्चा हुई थी। क्या है हिन्दु धर्म में मृत्यु का संकेत यहाँ पर कुछ रहस्यों को उजागर किया जा रहा है जिन्हें मृत्यु के देवता यमराज द्वारा नचिकेत को बताया गया था।



नचिकेत के वरदान- जब नचिकेत यमराज से मिलने गये तो उन्होंने ने तीन वरदान माँगे। पहले वरदान में पिता के प्रेम की कामना, दूसरे में अग्नि विद्या का ज्ञान और तीसरे में मृत्यु और आत्मा का ज्ञान माँगा। यमराज अन्तिम वरदान को नहीं पूरा करना चाहते थे लेकिन बालक ने हट किया। इसलिए यमराज मृत्यु के बाद क्या होता है, इसके रहस्योंद्वारा के लिये तैयार हो गये।

रहस्योंद्वारा - धर्मग्रन्थों के अनुसार यमराज ने बताया कि ओडम (ओंकार) परमात्मा का स्वरूप है। उन्होंने यह भी बताया कि मनुष्य के हृदय में ब्रह्मा का वास होता है। **आत्मा -** यमराज ने कहा कि आत्मा मनुष्य की मृत्यु के बाद भी नहीं मरती। संक्षेप में, शरीर का आत्मा के विनाश से कोई सम्बन्ध नहीं है। आत्मा कभी जन्म नहीं लेती न मरती है।

ब्रह्मरूप - मृत्यु के बाद मनुष्य जन्म-मृत्यु के चक्र को पूरा करता है। इसका मतलब यह है कि मनुष्य जन्म-मृत्यु के चक्र अर्थात ब्रह्म रूप से मुक्त हो जाता है। **ईश्वरीय शक्ति -** यमराज ने कहा कि जो लोग ईश्वर में आस्था नहीं रखते और नास्तिक होते हैं वे मृत्यु के बाद भी शान्ति की तलाश में रहते हैं। उनकी आत्मार्थे भी शान्ति की तलाश करती है।



दुनिया में हर काम में लोग सेवानिवृत्त हो जाते हैं, इसलिए नहीं कि उनमें समझ नहीं रहती है बल्कि वो उस तक अक्षम्य होते जाते हैं, उस काम को करने में, उस काम को उस तरीके से समझने में, उसकी आधुनिकता को समझने में। अगर आप भी किसी काम को बखूबी करने के बाद अचानक से उसमें गिरावट महसूस करते हैं तो समझें कि शायद आपको उसमें भी कुछ नयापन लाने की जरूरत है या फिर आपको उस काम सेवानिवृत्ति ले लेनी चाहिए। दुनिया में जो भी निर्मित है, जिसका भी निर्माण किया गया है, सभी में अध्यात्म का सार होता है, सभी के जीवन का एक चक्र होता है। एक सम्पूर्ण जीवन के बाद उसे खींचना या जबरन इस्तेमाल करना या चलाना सिर्फ मनुष्य की जिद होती है।

सम्पूर्णता होने के बाद संभावनाओं के बारे में सोचना गलत नहीं है लेकिन उसे पाना गलत है। दुनिया में हजारों लोग इस भंवर में फसे रह जाते हैं, उन्हें समझ नहीं आता है कि यथाथ क्या है, सत्य क्या है। कई बार तो वे सत्य जानते हुए भी दूर भागते हैं। खुद को मूर्ख बनाने से बेहतर है कि आपका जीवन के प्रति उठया गया हर कदम सटीक और भावपूर्ण हों, उसमें कोई आशा और निराशा न हों। शरीर से परे भी दुनिया में पाने को बहुत कुछ है, खुद को समझें, अपने आप को समझें, अपनी सोच को समझें, जो देखा है, दिखा हुआ है, समझा हुआ है, उसे समझकर क्या करना। जो ईसान शरीर को समझता है, उसे लगता है दुनिया में शरीर ही सबकुछ है, उसे बुढ़ापे से डर लगता है, क्योंकि उसे अनुभव से प्यार नहीं होता है। शरीर का बुढ़ा होना समस्या नहीं है, यह तो आशीर्वाद है लेकिन हम इससे ही कतराते हैं क्योंकि हम दुर्बल हो जाते हैं। मछली-जब एक बार आप जीवन में उच्च शिखर पर पहुँच जाते हैं,

मां पार्वती के जल से गणेश का अभिषेक

बुधवार को अच्छी बारिश की कामना को लेकर हजारों महिला-पुरुष पार्वती नदी का जल लेकर चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान का जल से अभिषेक किया। उसके बाद विधि विधान से पूजा-अर्चना कर अच्छी बारिश, सुख समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। ज्ञात हो कि हर वर्ष अषाढ के माह में ग्राम पार्वती लोग पार्वती नदी में से जल भरकर व झंडा लेकर हजारों की तादात में पैदल जत्थे के रूप में सीहोर स्थित चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं। इस दौरान रास्ते में पड़ने वाले दर्जनों गांव के लोग उनका स्वागत कर उनके साथ जत्थे में शामिल हो जाते हैं। यह जत्था पार्वती से शुरू होता है, जिसमें पिपलिया नगर, बाबडिया, खजूरी, मूंडला, कराडिया, बकल, जगनीखेडी, बिजोरा, बिजोरी, नयापुरा, पीलीखेडी, कोडिया, महोडिया सहित दर्जनों ग्राम के लोग शामिल होते हुए चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं। जहां पूजा अर्चना के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। यह परम्परा कई वर्षों से चली आ रही है, जिसमें सभी ग्रामीण बड़े सद्भाव और सोहार्द के साथ हिस्सा लेते हैं, जिसमें बच्चे-बूढ़े, महिला-पुरुष सभी वर्ग के लोग शामिल होते हैं।

तो आपको अपने जीवन की दिशा और ऊर्जा को सही करने का मौका मिलता है, बस उस बिंदु को जिसने समझा वह सच्चा व्यक्ति है। सफलता और सच्चाई में रत्ती भर भी अंतर नहीं है दोनों ही पूरक हैं। लडकी-हर व्यक्ति को याद रखना चाहिए कि जिस दिन उसका जन्म होता है उसी दिन से उसके मरने की स्पीड क्लॉक चलने लगती है, कोई भी नश्वर नहीं होता है। अगर आप एक अच्छे विश्लेषणकर्ता हैं तो आपको कई बार इसका आभास भी हो जाएगा। अगर आप इन बातों को मजाक मानते हुए शरीर को ही सबकुछ मान लेते हैं तो स्वयं को मूर्ख बनाते हैं। पत्थर-बढ़ती उम्र सिर्फ इतना ही नहीं है कि आपका शरीर कांपने लगा है, इसे आप दूसरे तरीके से देख सकते हैं।

बुद्ध संसार के हर प्राणी से इतना प्रेम करते थे

भगवान बुद्ध एक बार उपदेश देने एक गांव में पहुंचे। वहां उनके पडाव का अंतिम दिन था। तब वह उस गांव के एक व्यक्ति के यहां पहुंचे। वो गरीब था। उसके पास भगवान बुद्ध के आतिथ्य के लिए कुछ भी न था। तब उसने घर के बाहर देखा। जहां उसकी नजर बरसात में भीगी लकड़ियों पर पड़ी, जिन पर कुकुरमुत्ता (मशरूम) लगे हुए थे। उसने उन्हें तोड़ा और बड़े ही प्रेमपूर्वक उनकी सब्जी बनाई। लेकिन उस गरीब को पता नहीं था की मशरूम काफी कड़वे जहर के समान थे। वह बुद्ध से पूछता कि कैसा है भोजन और बुद्ध कहते बहुत ही स्वादिष्ट। मशरूम जहरीले थे। जिसके कारण उसका जहर बुद्ध के शरीर में फैल गया। यह देख उस व्यक्ति ने वैद्य को बुलाया। वैद्य ने बुद्ध से कहा, कि जब आपको मशरूम कड़वे लगे तब आपने उस व्यक्ति से क्यों नहीं कहा।

शिव को जब यह पता चला तो वह क्रोधित होकर यज्ञ स्थल पर पहुंचे। यहां सती की देह को त्रिशूल में लटकाकर सृष्टि में विचरण करने लगे। इस दौरान सुरकुट पर्वत पर सती का सिर गिरा जिस कारण इसका नाम सुरकंडा पडा। तभी से यह स्थान सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध है। सिद्धपीठ सुरकंडा मंदिर इकलौता सिद्धपीठ है, जहां गंगा दशहरे के मौके पर मेला लगता है और हर साल नवरात्रि में मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। खास बात यह है कि मंदिर में प्रसाद के रूप में रौसली (धुनेर) के पत्ते दिए जाते हैं। दूर-दूर से लोग इस सिद्धपीठ के दर्शनों के लिए यहां आते हैं।

बुद्ध संसार के हर प्राणी से इतना प्रेम करते थे

भगवान बुद्ध एक बार उपदेश देने एक गांव में पहुंचे। वहां उनके पडाव का अंतिम दिन था। तब वह उस गांव के एक व्यक्ति के यहां पहुंचे। वो गरीब था। उसके पास भगवान बुद्ध के आतिथ्य के लिए कुछ भी न था। तब उसने घर के बाहर देखा। जहां उसकी नजर बरसात में भीगी लकड़ियों पर पड़ी, जिन पर कुकुरमुत्ता (मशरूम) लगे हुए थे। उसने उन्हें तोड़ा और बड़े ही प्रेमपूर्वक उनकी सब्जी बनाई। लेकिन उस गरीब को पता नहीं था की मशरूम काफी कड़वे जहर के समान थे। वह बुद्ध से पूछता कि कैसा है भोजन और बुद्ध कहते बहुत ही स्वादिष्ट। मशरूम जहरीले थे। जिसके कारण उसका जहर बुद्ध के शरीर में फैल गया। यह देख उस व्यक्ति ने वैद्य को बुलाया। वैद्य ने बुद्ध से कहा, कि जब आपको मशरूम कड़वे लगे तब आपने उस व्यक्ति से क्यों नहीं कहा।



प्रेगनेंसी में पत्नी का कैसे रखें ख्याल



माँ बनना एक बहुत ही सुखद एहसास है। लेकिन कोई भी महिला इस सुखद और सुंदर पहलू का आनंद तभी उठा सकती है जब गर्भावस्था के दौरान वो खुद और उसका बच्चा स्वस्थ रहे। ऐसा तभी मुमकिन हो सकता है जब गर्भवती महिला अपना अच्छे से ख्याल रखे। किन्तु गर्भावस्था के शुरू के तीन महीनों में कई महिलाओं को जो मचलाने या उल्टी आने की शिकायत होती है। इसके अतिरिक्त कुछ महिला उन दिनों बीमार भी पड़ जाती हैं। लेकिन होने वाले बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है की उसकी माँ भी स्वस्थ रहे। इसलिए ऐसे में जरूरी है की पति अपनी पत्नी का ख्याल रखे। क्योंकि जब भी किसी लड़की को पता चलता है कि वह माँ बनने वाली है तो वह इस बात को सबसे पहले अपने पति के साथ शेयर करना चाहती है।

सबसे पहले खुद एडजस्ट करें

गर्भवती होने के बाद हर महिला के शरीर में काफी परिवर्तन आ जाता है जिसके चलते दैनिक कार्य रूटीन से नहीं हो पाते हैं। ऐसे में उन्हें कुछ भी कहने के बजाय कुछ समय के लिए आप खुद एडजस्ट करना सिख जाए ऐसे में आपकी पत्नी परेशान नहीं होगी। जितना हो सके आपको होने वाली माँ को कम्फर्ट का ध्यान रखना है। यदि आपको ब्रेकफास्ट नहीं मिल रहा है तो कुछ दिन बाहर ही नाश्ता कर ले।

पत्नी को प्यार दे

गर्भवती होने के बाद अपने शरीर में होने वाले परिवर्तन को देखकर स्त्री बहुत परेशान रहती है। उन्हें ऐसा लगता है की वह गर्भावस्था के दौरान अच्छी नहीं दिखती है, अब उनके पति उन्हें प्यार नहीं करते। इसलिए उनका ध्रुम दूर करें। उन्हें हर पल जताए की आप उनसे प्यार करते है और वो पहले जितनी ही सुंदर है। इसके साथ ही उनका ख्याल भी रखें।

कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखें

पति कुछ जरूरी बातों की जानकारी रखें जैसे पत्नी को कब कोन सा इन्वैजेशन लगना है या फिर चिकित्सक को कब दिखाना है आदि। इसके अतिरिक्त यदि आपकी पत्नी को किसी चीज से एलर्जी है तो आपको इसका भी ध्यान रखना होगा।

उसके खान पान का ख्याल रखें

देखा गया है की ज्यादातर महिलाएं इन दिनों में अपने खान-पान का विशेष ध्यान नहीं रख पाती हैं। जिसे चलते उनके शरीर में लौह तत्व की कमी से एनीमिया होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए अपनी पत्नी के खान पान का भी ख्याल रखें। चाहे तो कुछ दिन के लिए अपने किसी रिश्तेदार को मदद के लिए बुलाएं। गर्भावस्था में स्त्री को हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, दाल, अंकुरित अनाज, प्रचुर मात्रा में दूध आदि अवश्य लेना चाहिए।

इन बातों का भी रखें ख्याल

- गर्भावस्था के दौरान अपनी पत्नी के साथ रेगुलर चेकअप पर जाएं। अल्ट्रासाउंड रूम में भी साथ रहें और बच्चे की हरकत को पेट छूकर महसूस करें।
- प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं को काम में भयानक दर्द होता है। इसलिए ऐसे में उन पर अधिक काम का बोझ न लाएं।
- अपनी पत्नी की भी बात सुनें, उनसे पूछें की उन्हें क्या अच्छा लगता है क्या नहीं। उनका ख्याल रखने के साथ साथ अधिकतर समय उनके साथ बिताएं।
- रोमैटिक बातों के लिए टाइम निकालें, क्योंकि कुछ समय बाद आप दोनों अकेले नहीं रह जाएंगे। फिर शायद नन्हे को संभालने के चक्कर में आप एक दूसरे को ज्यादा वक्त नहीं दे पाए।

आदत से छुटकारा पाना बेहद मुश्किल होता है। खासतौर पर ऐसी आदतें, जिनमें तनाव को कम करने का गुण होता है, पर सेहत को नुकसान पहुंचाने वाली होती हैं, उन्हें छोड़ना और भी मुश्किल होता है। धूमपान, तंबाकू और अत्यधिक शराब के सेवन को इनमें शामिल किया जाता है। पर उन आदतों का क्या, जो दिखने में तो सामान्य लगती हैं, पर सेहत पर गंभीर असर डालती हैं?

देर रात स्नेक्स खाना

देर रात कुछ खाने में इतनी बुराई नहीं है, पर फल-सब्जियों या हल्का खाने की बजाए टंडा पिज्जा, ब्रेड स्लाइस, नूडल्स या तला-भुना खाना सेहत के लिए समस्या पैदा कर सकता है। ऐसे लोग, जिन्हें एसिडिटी की समस्या रहती है, उनके लिए तो देर रात में खाना समस्या को बढ़ा सकता है।

क्या करें: आमतौर पर देर रात में खाना भूख की वजह से कम, बोरियत के कारण अधिक होता है। लोग टीवी या फिल्म देखते हुए आलू चिप्स या सैंडविच आदि खाते हैं। एक शोध के अनुसार, टीवी न देखते समय की तुलना में टीवी या फिल्म देखते समय लोग 44 प्रतिशत अधिक चिप्स खाते हैं। इस आदत से बचने के लिए बेहतर है कि आप टीवी देखते समय कुछ छोटे-छोटे बताना कर लें, मसलन किए जाने वाले कार्यों की लिस्ट बनाना, कपड़ों की तह लगाना, ई-मेल चेक करना या अधूरे कामों को पूरा करना आदि। इससे आप कुछ खाने की अपनी इच्छा को दबा सकेंगे।

गलत फिटनेस एक्सेसरीज

यदि आप अपनी फिटनेस को लेकर सजग हैं और नियमित रूप से व्यायाम करते हैं तो अपनी फिटनेस एक्सेसरीज का भी अवश्य ध्यान रखें। गर्मी के दिनों में सामान्य सूती कमीज को पहन कर व्यायाम करना खुजली या त्वचा पर राइड उत्पन्न कर देता है। व्यायाम करते समय जूते-जुराब अवश्य पहनें।

क्या करें: सही स्पोर्ट्स शूज पहनें। ऐसी जगह से जूते खरीदें, जहाँ स्पोर्ट्स एक्सेसरीज मिलती हैं। पसीने को सोखने वाले फेब्रिक से बने कपड़े पहनें। कपड़े आरामदेह या अधिक कसे हुए न हों।



भरपूर नींद न लेना

पर्याप्त नींद न लेना सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंचाता है। इससे आपकी सक्रियता कम हो जाती है। पर्याप्त नींद की कमी रोग प्रतिरोधी क्षमता को कम कर देती है। महिलाओं का पर्याप्त नींद न लेना हृदय रोगों की आशंका को बढ़ा देता है।

क्या करें: विशेषज्ञों के अनुसार, नींद आहार की तरह है। समय पर सोना चाहिए। सोने से पहले कैफीनयुक्त पदार्थों के सेवन से बचें। शोर और अतिरिक्त रोशनी से दूर रहें। यदि आप रात को नहीं सो पा रहे हैं तो थोड़ी



आफत न बन जाए

सेहत संबंधी समस्या है तो डॉक्टर को पूरी बात न बताना

सेहत संबंधी समस्या है तो डॉक्टर को पूरी बात न बताना। डॉक्टर के पास जाने से निश्चित तौर पर फायदा मिलता है, पर बातचीत करते समय चिकित्सक को पूरी बात न बताना उपचार के तरीके को बदल सकता है। खासतौर पर मधुमेह या हाइपरटेंशन से पीड़ितों के लिए दवा लेते समय विस्तृत बातचीत जरूरी है।

नींद दोपहर में लें। सोने से पहले टीवी व कंप्यूटर न देखें।

कान में पिन डालना

कान में हल्का-सा भारीपन होने या फिर खुजली होने पर पहला ध्यान कान की सफाई करना होता है। आमतौर पर लोग बालों में लगाने वाली पिन, बॉल पेन, पेंसिल आदि को कान में डाल कर कान के भीतर जमी परत को निकालते हैं, जिसे सामान्य शब्दों में मैल कह दिया जाता है।

क्या करें: कान में वेक्स जमा होने का एक बड़ा कारण भोजन को ढंग से चबा कर न खाना है। कान में लगाई जाने वाली एक्सेसरीज जैसे हेडफोन, लंबे समय तक इयरफोन से भी वेक्स



जमा होती है। इनसे बचें।

संगीत का रोग

प्रारंभ में भले ही आप कुछ देर हेडफोन लगा कर तेज आवाज में संगीत सुनते हैं, पर कुछ समय बाद आपके कान को उतनी ही आवाज में सुनने की आदत पड़ जाती है। विशेषज्ञों के

नाखून चबाना

नाखून चबाना एक सामान्य आदत है, जो अक्सर तब देखने को मिलती है, जब व्यक्ति तनाव में होता है। इससे नाखूनों की सामान्य वृद्धि पर तो असर पड़ता ही है, उनकी शेप भी अनियमित हो जाती है। नाखूनों की उचित सफाई न रखने पर उनमें जमा कीटाणु खाने के जरिए पेट में जाकर संक्रमण का कारण बन जाते हैं। नाखूनों की परत के नीचे नुकसानदायक स्ट्रेफ्टोकोकस नामक बैक्टीरिया होता है, जो चबाने पर मुंह में चला जाता है। एक शोध के अनुसार, 19 से 29 प्रतिशत युवा वयस्क और 5 प्रतिशत बड़ी उम्र के व्यक्ति नाखून चबाते हैं।

क्या करें: दो से तीन सप्ताह में एक बार किसी प्रोफेशनल से मेनिक्चर करवा सकते हैं। जब आपके नाखून सुंदर लगते हैं तो आप उन्हें चबाना पसंद नहीं करते। नाखून चबाने की इच्छा उत्पन्न होने पर क्रीम या तेल से उनकी मालिश करें या फिर गाजर या सब जैसी चीजें चबाएं।

क्या करें: जब भी डॉक्टर के पास जाएं, बीमारी के लक्षणों और ली जा रही दवाओं के बारे में पूरी जानकारी दें। बेहतर होगा कि मिलने से पहले पूरी सूची बना लें, जिसमें एल्कोहल या ली जा रही दवाओं व अन्य बातों की पूरी जानकारी दें।

अनुसार, आपको पता ही नहीं चलता कि कब आप तेज से तेज आवाज को ग्रहण करने लगे हैं। पर लंबे समय तक ऐसा करना आपके सुनने की क्षमता में स्थायी दोष उत्पन्न कर सकता है। आपको लगता है कि लगातार कान में कुछ आवाज हो रही है, जिसे टिनिटस कहा जाता है।

क्या करें: मस्तिष्क को धीमी आवाज सुनने के लिए तैयार करें। अपने आईडिज या कार स्टीरियो की आवाज धीमी रखें, इतनी कि दूसरे जो आपसे बात कर रहे हैं, उन्हें चिह्नाना न पड़े।

शाम स्क्रीन के साथ बिताना

सप्ताह में एक-दो बार काम के बाद थियेटर में फिल्म देखना या कुछ देर नियमित टीवी देखना सही हो सकता है, पर हर दिन देर रात तक स्क्रीन के सामने समय बिताना बुरी आदत है। जो लोग अत्यधिक तनाव में रहते हैं या जिनके दोस्तों का नेटवर्क सीमित है, वे अक्सर काम के बाद अकेले समय बिताते हैं। नतीजा देर तक सोफे पर बैठे-बैटे टीवी देखते रहने से शरीर और दिमाग थकता है। शोध कहता है कि सप्ताह में 19 घंटे से अधिक टीवी या बड़े पर्दे के आगे समय बिताना मोटापे की आशंका 97 प्रतिशत बढ़ा देता है।

क्या करें: विशेषज्ञों के अनुसार, इस आदत से छुटकारा पाने का तरीका है कि टीवी देखते समय कुछ काम करते रहें। सप्ताह में दो-तीन बार कुछ समय दोस्तों के साथ बिताएं। खेलकूद में समय दें।

प्यार करोगे तो मोटे हो जाओगे!



प्रेम होना किसी के लिए भी बेहद अमूल्य बात हो सकती है, लेकिन एक नए सर्वेक्षण के अनुसार मोटापा के लिए भी प्रेम में होना मुख्य कारण हो सकता है। नए सर्वेक्षण में प्रेम के कारण वजन बढ़ाने वाली कई परंपरागत परिस्थितियां बनती हैं, जैसे सहजता से भोजन करना, छुट्टियों में एक-दूसरे के साथ होना या व्यायाम न करना आदि।

सर्वेक्षण में शामिल अधिकांश व्यक्तियों ने स्वीकार किया कि प्रेम होने के बाद उनका वजन बढ़ा। इन्हें व्यक्तियों से ठीक तीन महीने बाद दोबारा पूछे जाने पर उन्होंने स्वीकार किया कि उनके प्रेमी युगल के वजन में भी इजाफा हुआ। सर्वेक्षण में शामिल दो तिहाई लोगों ने स्वीकार किया कि प्रेम होने के बाद उनके और उनके प्रेमी युगल के वजन में भी वृद्धि हुई।

महिलाओं ने स्वीकार

सर्वेक्षणकर्ता एवं डाइट शेफ की पोषण एवं वजन प्रबंधन विशेषज्ञ ने कहा कि सर्वेक्षण में कुछ बहुत रोचक परिणाम सामने आए हैं। यह जानना बहुत चौंकाने वाला है कि प्रेम होने के बाद लोग कितने आत्मसंतुष्ट हो सकते हैं। सर्वेक्षण में शामिल अधिकतर महिलाओं ने स्वीकार किया कि जब वे अकेली थीं तब जितना भोजन करती थीं उसके मुकाबले साथी के साथ भोजन के दौरान वे थोड़ा ज्यादा भोजन करती हैं।

सर्वेक्षण में शामिल अधिकतर युगलों ने अपनी दिनचर्या में साथ-साथ टीवी देखना, घर में हों तब भी साथ-साथ भोजन करना और अगर बाहर हों तब भी साथ-साथ भोजन करना स्वीकार किया। इससे उनकी दैनिक क्रियाओं की गतिविधियों का पता चलता है।



फार्मा सेक्टर में बेहतर मौके...

फार्मासी एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें मंदी के दौरान भी नौकरी की कोई कमी नहीं होती। करियर के लिहाज से देखें, तो यह एक शानदार सेक्टर है। मौजूदा समय में भारत क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग के क्षेत्र में भी ग्लोबल हब बन कर उभर रहा है। ऐसे में अगर आप चिकित्सा और सेहत के क्षेत्र में दिलचस्पी रखते हैं तो फार्मासी में करियर बना कर अपने भविष्य को संभालने का बेहतर मौका मिल सकता है। साइंस विषय के साथ बहारहवीं परीक्षा पास करने के बाद दो साल के डी फार्मा कोर्स या चार साल के बी फार्मा कोर्स कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित कई संस्थान, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अंडरग्रेजुएट कोर्स करवाने के अलावा एम फार्मा कोर्स भी करवाते हैं। पहले भारत में फार्मास्यूटिकल की पढ़ाई गिने-चुने संस्थानों में ही होती थी, लेकिन तेजी से बढ़ते बाजार और टेंडर लोगों की मांग को पूरा करने के लिए अब कई संस्थानों में ऐसे कोर्सेस की शुरुआत हो गई है। छात्र अब बारहवीं के बाद सीधे डिप्लोमा कर सकते हैं। कुछ कॉलेजों में फार्मासी में फुलटाइम कोर्स संचालित हैं।



कुछ प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पंजाब
- आचार्या एंड बीएम रेड्डी कॉलेज ऑफ फार्मासी, बंगलुरु
- कॉलेज ऑफ फार्मासी, दिल्ली विश्वविद्यालय
- गुरु जंबेशर विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा
- बाबे कॉलेज ऑफ फार्मासी, मुंबई
- गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज, केरल
- बिडला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पिलानी
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, बंगलुरु
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़

इंफोर्डिगेंस या ब्लैक ड्रग आरएंडडी जैसी श्रेणियों में बाटा जा सकता है। इन सबका अपना सुपर-स्पेशलाइजेशन है।

ड्रग मैन्युफैचरिंग सेक्टर

यह इस इंडस्ट्री की एक बेहद अहम शाखा है, जो स्ट्रैंडेंस को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराती है। आप चाहें, तो इस क्षेत्र में मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट, फार्माकोलॉजिस्ट, टॉक्सिकोलॉजिस्ट या मेडिकल इंवेस्टिगटोर बनकर अपना भविष्य संभाल सकते हैं। मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट जीन संरचना के अध्ययन और मेडिकल व ड्रग रिसर्च संबंधी मामलों में प्रोटीन के इस्तेमाल का अध्ययन करता है, जबकि फार्माकोलॉजिस्ट का काम इंसान के अंगों व ऊतकों पर दवाइयों व अन्य पदार्थों के प्रभाव का अध्ययन करना होता है। इसी तरह टॉक्सिकोलॉजिस्ट दवाओं के घातक प्रभाव को मापने के लिए अलग-अलग परीक्षण करता है।

मेडिकल इंवेस्टिगटोर

नई दवाइयों के विकास व टेस्टिंग की प्रक्रिया से जुड़ा होता है। मानव जैविकी और दवाइयों संबंधी अपने बैकग्राउंड के कारण वे इसकी रिसर्च प्रक्रिया के लिहाज से बेहद अहम होते हैं। हॉस्पिटल पर दवाइयों और चिकित्सा संबंधी अन्य सहायक सामग्रियों के भंडारण, स्टॉकिंग और वितरण का जिम्मा होता है, जबकि रिटेल सेक्टर में फार्मासिस्ट को एक बिजनेस मैनेजर की तरह काम करते हुए दवा संबंधी कारोबार चलाने में समर्थ होना चाहिए।

क्लिनिकल रिसर्च

जब कोई नई दवा लॉन्च करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लिनिकल ट्रायल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लिनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय जगत की दिलचस्पी काफी बढ़ी है। आज देश में कई विदेशी कंपनियां क्लिनिकल रिसर्च के लिए आ रही हैं। दवाइयों की स्क्रीनिंग संबंधी काम में नई दवाओं या फार्मूलेशन का पशु मॉडलों पर परीक्षण करना या क्लिनिकल रिसर्च करना शामिल है जो इंसानी परीक्षण के लिए जरूरी है।

क्वालिटी कंट्रोल

फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री का यह एक अहम कार्य है। नई दवाओं के संबंध में अनुसंधान व विकास के अलावा यह सुनिश्चित करने की भी जरूरत होती है कि इन दवाइयों के जो नतीजे बताए जा रहे हैं, वे सुरक्षित, स्थायी और आशा के अनुरूप हैं।

रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट

जिस तरह डॉक्टरों को प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह इन्हें भी फार्मासी में प्रैक्टिस करने के लिए लाइसेंस चाहिए। उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए एक टेस्ट पास करना होता है। फार्मासी काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस विषय में ट्रेनिंग के लिए 'फार्मा डी' नामक एक छह साल का कोर्स शुरू किया है।

ब्रांडिंग एंड सेल्स

फार्मासी की पृष्ठभूमि से जुड़ा कोई प्रोफेशनल, एमबीए डिग्रीधारी और यहां तक कि साइंस की डिग्री प्राप्त करने वाला शास्त्र भी सेल्स एंड मार्केटिंग में करियर बना सकता है। फार्मास्यूटिकल सेक्टर में मार्केटिंग की काफी अहम है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स उत्पाद की बिक्री के अलावा बाजार की प्रतिस्पर्धा पर भी निगाह रखते हुए इस बात का निर्धारण करते हैं कि किस उत्पाद के लिए बाजार में ज्यादा संभावनाएं हैं। इसी के मुताबिक रणनीति तैयार की जाती है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए यदि आपके पास बीफार्मा के साथ साथ एमबीए की भी डिग्री है तो सोने पर सुहागा वाली बात होगी। प्रशिक्षित पेशेवर की मांग दुनिया की बेहतरीन फार्मास्यूटिकल कंपनियों भारत में अपना कारोबार कर रही है। इनके अलावा, रैनबेक्सी, एफडीसी, कैडिला, शिपला, डॉ. रेड्डीज, डाबर, ल्यूमिन आदि कंपनियां भारत में व्यवसायरत हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की काफी मांग है।

यहां है मौके

नर्सिंग होम, अस्पतालों और कंपनियों में आपके लिए नौकरी के अवसर हैं। ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन और आरम्भ फॉर्सेज में भी काफी संभावनाएं हैं। बीफार्मा करने के बाद आप मैन्युफैचरिंग केमिस्ट, एनालिटिक केमिस्ट, ड्रग इंस्पेक्टर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग सेक्टर में भी आपके लिए कई अवसर मौजूद हैं। जिस तरह से मेडिकल टूरिज्म बढ़ रहा है और दवाइयों की खपत बढ़ी है।

जेरियाट्रिक्स केयर बन कर सकते हैं चाहत पूरी

अगर आप सेवा के जुड़े क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं और साथ में अच्छी कमाई भी करना चाहते हैं कि जेरियाट्रिक्स केयर बन अपनी चाहत पूरी कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम का संचालन भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय करता है। इसका मकसद युवक-युवतियों को बुजुर्गों की सेवा के लिए प्रशिक्षित करना है। पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं बंधी हैं। दरअसल बुजुर्गों की सेवा के लिए इस क्षेत्र में दक्ष लोगों की जरूरत को काफी पहले से महसूस किया जा रहा था। इस ज़रूरत को ध्यान में रखकर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने जेरियाट्रिक्स केयर पाठ्यक्रम की शुरुआत की जिसके तहत बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के बारे में बताया जाता है। इस पाठ्यक्रम में मूल रूप से विद्यार्थियों को समुदाय के अंदर वृद्ध लोगों की स्थिति, एकल और संयुक्त परिवारों के गुण-दोष, सामाजिक सुरक्षा संबंधी उपाय, वृद्धावस्था में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिति को समझने, पुनर्वास के अलावा उनकी समस्याओं को निपटाना, उनकी पोषाहार संबंधी ज़रूरतों की जानकारी और आहार प्रबंधन और मनोविज्ञान के अलावा वृद्धावस्था संबंधी देखभाल के आधारभूत



सिद्धांतों की जानकारी दी जाती है। इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को घर-घर जाकर वृद्धों की समस्याओं पर रिपोर्ट भी तैयार करनी होती है।

तीन कोर्स

बुजुर्गों की देखभाल संबंधी प्रमुख तौर पर तीन कोर्स चलाए जाते हैं। जिसमें तीन महीने और 6 महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और पीजी डिप्लोमा कोर्स शामिल है। तीन माह का कोर्स खासतौर से समाजसेवी संस्थाओं के लिए है जो देश में बुजुर्गों की देखभाल और उनके लिए कार्य करती हैं। पीजी डिप्लोमा कोर्स का मुख्य उद्देश्य समर्पित व्यक्तियों को एक टीम तैयार करना होता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में इस क्षेत्र से संबंधित गहन अध्ययन कराया जाता है जिसमें थ्योरी स्तर प्रैक्टिकल और परियोजना कार्य के अलावा इंटरनैश और सेमिनार प्रस्तुति भी सिखाई जाती है।

ऐसे होता है दाखिला

इन सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा देना पड़ती है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में नामांकन के लिए उम्मीदवार को किसी भी संस्थान से समाज विज्ञान, समाज कार्य, मानव विज्ञान, परिचर्चा या गृहविज्ञान में स्नातक होना आवश्यक है। साथ ही अभ्यर्थी की उम्र किसी भी हालत में 20 साल से कम नहीं होनी चाहिए। वहीं वृद्धावस्था देखभाल संगठनों में कार्यरत या वृद्धावस्था सेवा क्षेत्र में प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारों, सामाजिक कार्यकर्ता, काउंसलर, स्वास्थ्य कर्मी और नर्सिंग के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्राथमिकता दी जाती है। जबकि 3 और 6 महीने के प्रमाणपत्र कोर्स के लिए उम्मीदवार का मैट्रिक पास होना आवश्यक है साथ ही उनकी आयु 18 साल से कम नहीं होना चाहिए। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी को साक्षात्कार से भी गुजरना पड़ता है।

अपार संभावनाएं

इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अपार संभावनाएं उभरी हैं। पीजी डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी किसी सरकारी, गैर सरकारी, कॉरपोरेट क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थाओं में अच्छे पद पर कार्य कर सकता है। इसके अलावा गृह देखभाल कर्ता, उपचार सहायक, शारीरिक चिकित्सा सहायक, परियोजना निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, कल्याण अधिकारी बनकर भविष्य संभाल सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डॉ. रेड्डी हैरिटेज फाउंडेशन, हैदराबाद।
- कलकत्ता मेट्रोपोलिटन इंस्टीट्यूट ऑफ जिरानहोलॉजी, कोलकाता।
- न्यू इंटिग्रेटेड रूरल मैनेजमेंट एजेंसी, इम्फाल।
- राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, आरके पुरम, नई दिल्ली।



इंग्लैंड वनडे सीरीज से पहले विराट कोहली का फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैचों की श्रृंखला के लिए कप्तान कप्तान रहे हैं, जो 14 से 19 जुलाई तक खेले जाएंगे। इस महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए टीम चयन से पहले, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अपनी फिटनेस साबित करने के लिए एक अनिवार्य फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के प्रतिष्ठित सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में होने वाला यह फिटनेस टेस्ट विराट के इंग्लैंड दौरे पर भागीदारी के लिए निर्णायक साबित होगा, जिसकी पुष्टि बीसीसीआई के सूत्रों ने की है। विराट कोहली, जिन्होंने हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल

में रायल चैलेंजर्स बंगलुरु (आरसीबी) को गुजरात टाइटंस के खिलाफ एक अविश्वसनीय और यादगार जीत दिलाई थी, उसी मैच के दौरान हेमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे थे। उनकी शानदार नाबाद 75 रन की पारी ने भले ही आरसीबी को खिताब दिलाया, लेकिन इस चोट ने उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ पिछली वनडे श्रृंखला से बाहर रहने पर मजबूर कर दिया था। यह चोट खेल के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में खिलाड़ियों को प्रभावित कर सकती है और विराट जैसे शीर्ष खिलाड़ी के लिए इसका समय बहुत ही नाजुक था। वर्तमान में, विराट लंदन में अपनी चोट से उबरने और गहन रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया को पूरा करने में व्यस्त हैं, जहां वह विशेषज्ञों की निगरानी में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कोहली बहुत जल्द बीसीसीआई के सीओई में अपनी फिटनेस

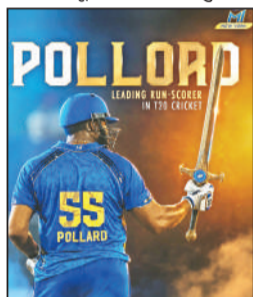
जांच के लिए रिपोर्ट करेंगे। भारतीय टीम में उनकी वापसी तभी संभव होगी जब वह इस फिटनेस टेस्ट को सफलतापूर्वक पास कर लेंगे। कोहली का अनुभव, उनकी मौजूदा फार्म और बड़े मैचों में प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता टीम इंडिया के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, खासकर इंग्लैंड जैसी मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ। उनकी अनुपस्थिति टीम के मध्यक्रम में अनुभव और स्थिरता को कमी महसूस करा सकती है, यही कारण है कि चयनकर्ता उनके फिटनेस पर कड़ी नजर रख रहे हैं और उनकी वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का चयन करना है। यह चयन न केवल खिलाड़ियों के वर्तमान प्रदर्शन पर आधारित होगा बल्कि उनकी शारीरिक फिटनेस पर भी उतना ही

निर्भर करेगा, जैसा कि विराट के मामले में देखा जा रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अगले बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट, जैसे कि संभावित टी20 विश्व कप या चैंपियंस ट्रॉफी, से पहले अपनी बेंच स्ट्रेथ, प्रमुख खिलाड़ियों के फार्म और टीम संयोजन का आकलन करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है। बीसीसीआई सीओई खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है, जहां चोटिल खिलाड़ी अपनी फिटनेस पर काम करते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटने की तैयारी करते हैं। खिलाड़ियों की चोट से उबरने की प्रक्रिया को बीसीसीआई द्वारा बहुत गंभीरता से लिया जाता है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे पूरी तरह से फिट होकर ही मैदान पर उतरें और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकें।

न्यूज़ ब्रीफ

कायरन पोलार्ड टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

डलास (अमेरिका)। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एमआई न्यू यार्क से खेलते हुए दिग्गज खिलाड़ी कायरन



पोलार्ड ने बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। पोलार्ड टी-20 क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में अपने हमवतन दिग्गज

क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया है। पोलार्ड ने एमएलसी 2026 में वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ शानदार शतक जड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 56 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। इस शतकीय पारी के बाद पोलार्ड के टी-20 क्रिकेट में कुल रन 14,582 हो गए, जबकि क्रिस गेल के नाम 14,562 रन दर्ज हैं। इस तरह पोलार्ड टी20 क्रिकेट के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इन दोनों खिलाड़ियों के बाद एलेक्स हेल्स (14,449), जोस बटलर (14,371), डेविड वार्नर (14,284) और विराट कोहली (14,218) के नाम हैं। हालांकि, मुकाबले में पोलार्ड की ऐतिहासिक पारी उनकी टीम को जीत नहीं दिला सकी। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वाशिंगटन फ्रीडम ने पांच विकेट पर 245 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जबवा में एमआई न्यू यार्क की टीम निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 215 रन ही बना सकी और मुकाबला 30 रन से हार गई। पोलार्ड सिर्फ रन बनाने के मामले में ही नहीं, बल्कि टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने अपने करियर में 736 टी20 मुकाबले खेले हैं, जो इस फॉर्मेट में एक रिकार्ड है। उनके नाम दो शतक और 67 अर्धशतक शामिल हैं। पोलार्ड इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 700 से ज्यादा टी20 मैच खेले हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान पोलार्ड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन फ्रेंचवाली क्रिकेट में अब भी सक्रिय हैं। हालांकि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नहीं खेलते हैं। मुंबई इंडियंस के लिए लंबे समय तक खेलने वाले पोलार्ड आईपीएल से भी संन्यास ले चुके हैं और फिलहाल टीम के बल्लेबाजी कोच की भूमिका निभा रहे हैं।

महिला टी20 विश्व: पाकिस्तान और नीदरलैंड बाहर हुई, भारतीय टीम का पहुंचना तय



लंदन। पाकिस्तान और नीदरलैंड की टीम इंग्लैंड एंड वेल्स में जारी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में अपने-अपने मुकाबले हारने के साथ ही बाहर हो गयी है। वहीं अब ग्रुप ए से केवल भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बनी हुई है। वहीं लीग मैचों के आधे पड़ाव तक पहुंचते-पहुंचते दो टीमों का साफ समाप्त हो गया है। ग्रुप ए से पाकिस्तान और नीदरलैंड की टीमों को बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही ये टीम बाहर हो गयी। इन हारों के साथ ही पाकिस्तान और नीदरलैंड दोनों टीमों अपने तीन-तीन लीग मैच हारी हैं। उसके दो-दो मुकाबले अभी बाकी हैं पर अब वह छह अंकों के सेमीफाइनल क्वालीफिकेशन मार्क तक नहीं पहुंच पाएंगी। वहीं ग्रुप ए की अंकतालिका को देखें तो ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों में से तीन मैच जीतकर 6 अंकों के साथ लगभग सेमीफाइनल के लिए प्रवेश हासिल किया है जबकि भारतीय टीम अपने दो मैच जीतकर 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

मौजूदा फुटबाल विश्व कप में गोल की बौछार, 1958 के बाद सबसे तेजी से पूरा हुआ 100 गोल का आंकड़ा

हुआस्टन। फीफा विश्व कप 2026 का खुमार पूरी दुनिया पर छा चुका है। मौजूदा टूर्नामेंट में ग्रुप चरण के करीब आधे मैच हो चुके हैं और धीरे-धीरे नाकआउट की तस्वीर साफ हो रही है। मौजूदा फुटबाल विश्व कप इतिहास के पन्नों में भी अपना नाम दर्ज करा रहा है। इस टूर्नामेंट में गोलों की ऐसी बरसात हो रही है कि इसने पिछले 68 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया है। 2026 का यह विश्व कप साल 1958 के बाद से सबसे तेजी से 100 गोल के आंकड़े तक पहुंचने वाला टूर्नामेंट बन गया है। इस ऐतिहासिक मुकाम को टूर्नामेंट के महज 33वें मैच में ही हासिल कर लिया गया। काडी गैवो के गोल से पूरा हुआ शतक फीफा विश्व कप के 33वें मैच में नीदरलैंड का सामना स्वीडन से हुआ। इस मैच में नीदरलैंड ने स्वीडन को 5-1 से शिकरत दी। इस मैच में नीदरलैंड की ओर से तीसरा गोल करते ही लिवरपूल के फारवर्ड खिलाड़ी काडी गैवो ने इतिहास रच दिया। उनका यह गोल इस टूर्नामेंट का 100वां गोल (शतक) साबित हुआ। इस समय अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे इस विश्व कप में प्रति मैच औसतन 3.09 गोल हो रहे हैं।

सूर्यवंशी की सूनामी में बहा श्रीलंका ए इंडिया ए ने 66 रनों से जीता ट्राई-सीरीज का फाइनल



दांबुला। भारतीय युवा क्रिकेट का नया सितारा वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर सुर्खियों में है। दांबुला के रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए ट्राई-सीरीज फाइनल में इंडिया ए ने श्रीलंका के 66 रनों से करारी शिकस्त देकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस जीत के असली हीरो 15 वर्षीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने महज 29 गेंदों पर 94 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर श्रीलंकाई गेंदबाजी की धज्जियां उड़ा दीं। टॉस हारकर पहले बैटिंग, वैभव-प्रियांश ने मचाई तबाही

पूरी की। यह रिकार्ड उन्होंने श्रीलंका के कौशल्या वीरारत्ने का 21 साल पुराना 12 गेंदों का रिकार्ड तोड़कर बनाया। वैभव 94 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 10 चौके और 8 छक्के शामिल थे और स्ट्राइक रेट 324.14 का रहा। ओपनर से मिली इस ड्रिम शुरुआत की बदौलत इंडिया ए ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 377 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। कप्तान तिलक वर्मा ने 90 गेंदों पर 67 रन बनाए, जबकि अनुकूल राॅय ने 15 गेंदों में 39 और विराज निगम ने 20 गेंदों में 27 रन की तेज पारियां खेलीं।

378 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य के आगे दह गई श्रीलंकाई टीम जबवा में 378 रनों के एक्स्ट्रेट जैसे लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका ए की टीम इस भारी दबाव को झेल नहीं सकी। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही शिकंजा कसे रखा और नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए। भारतीय गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के आगे श्रीलंकाई टीम 311 रनों पर ऑलआउट हो गई और 66 रनों से मैच हार गई। भारतीय गेंदबाजों ने भी किया कमाल बल्लेबाजी के साथ-साथ भारतीय गेंदबाजों ने भी इस मैच में कमाल का

प्रदर्शन किया। भारत की ओर से यश ठाकुर और विराज निगम ने 3-3 विकेट झटकें, वहीं अनुकूल राॅय ने इस मैच में 2 विकेट अपने नाम किया। इसके अलावा अशोक शर्मा और तिलक वर्मा को भी 1-1 विकेट मिले। अशोक शर्मा ने सदौरा समरविक्रमा को 52 रन पर आउट कर अहम साझेदारी तोड़ी। सूर्यवंशी का बदला गौरतलब है कि लीग स्टेज में भारत और श्रीलंका ए के बीच मुकाबला सुपर ओवर तक गया था, जहां श्रीलंका ने जीत दर्ज की थी। उस मैच के बाद वैभव सूर्यवंशी की श्रीलंकाई खिलाड़ियों से तीखी बहस हो गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलंकाई खिलाड़ी ने वैभव से कहा था This is not the IPL, से होश। फाइनल में वैभव ने बल्ले से उसका करारा जवाब दिया। यह वैभव सूर्यवंशी का इंडिया ए के लिए पहला अर्धशतक था। पूरे टूर्नामेंट में वैभव का प्रदर्शन: 22, 44, 14, 38 और फाइनल में 94। इस पारी के बाद वैभव को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए सीनियर भारतीय टी20 टीम में पहली बार चुना गया है। 15 साल 71 दिन की उम्र में वे भारत के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं।

महिला वॉलीबाल नेशंस लीग



फिलीपींस में महिला वालीबाल नेशंस लीग में खेलती हुई ओमिनिक रिपब्लिक टीम की खिलाड़ी।

इरा एरी भारतीय मूल की आस्ट्रेलियन क्रिकेटर, बर्नी सोशल मीडिया की नई सनसनी

नई दिल्ली

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के बीच भारतीय मूल की आस्ट्रेलियन क्रिकेटर इरा एरी को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। हालांकि, यह चर्चा उनके क्रिकेटिंग कौशल से अधिक उनकी असाधारण खूबसूरती और करिश्माई व्यक्तित्व को लेकर है। इरा एरी ने आस्ट्रेलिया के जूनियर क्रिकेट सर्किट में पहले ही अपनी दमदार छाप छोड़ी है और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें जल्द ही आस्ट्रेलियाई महिला सीनियर टीम में खेलने का मौका मिल सकता है। जबकि आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में खिताब की प्रबल दावेदारों में से एक है और उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी दमदार शुरुआत भी की है, इसी बीच आस्ट्रेलिया की एक युवा जूनियर क्रिकेटर अचानक सोशल मीडिया पर धूम मचाने लगी हैं। इस महिला क्रिकेटर का नाम है इरा एरी, जो अपनी सुंदरता और खेल दोनों के लिए सुर्खियां बटोर रही हैं। इरा एरी भारतीय



मूल की आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं, और उनकी उपस्थिति ने युवा महिला क्रिकेटर्स के प्रति प्रशंसकों की रुचि को और बढ़ा दिया है। 17 साल की इरा को अभी तक आस्ट्रेलिया की महिला सीनियर टीम में डेब्यू का मौका नहीं मिला है, लेकिन उनकी प्रतिभा और प्रदर्शन को देखते हुए

अंधेरे दौर में पत्नी बर्नी सहारा, श्रीसंत ने सुनाई संघर्ष और विश्वास की भावुक कहानी

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत का जीवन उतार-चढ़ाव, सफलता, विवाद और संघर्ष से भरी एक ऐसी कहानी है, जो किसी फिल्म की पटकथा से कम नहीं लगती। मैदान पर अपनी आक्रामक गेंदबाजी और जुझारू अंदाज के लिए पहचान बनाने वाले श्रीसंत को वर्ष 2013 में सामने आए आईपीएल स्पाट फिक्सिंग मामले ने गहरे संकट में धकेल दिया था। इस विवाद ने न केवल उनके क्रिकेट करियर को प्रभावित किया, बल्कि निजी जीवन में भी उन्हें कठिन मानसिक परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में श्रीसंत ने उस दौर को याद करते हुए बताया कि उनकी पत्नी भुवनेश्वरी कुमारी का साथ ही उन्हें टूटने से बचा सका।

वर्ष 2013 में आईपीएल के दौरान दिल्ली पुलिस ने श्रीसंत को अजीत चंडीला और अंकित चव्हाण के साथ स्पाट फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किया था। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया, जबकि उनकी टीम राजस्थान रायल्स ने भी उनसे दूरी बना ली। अचानक आए इस संकट ने श्रीसंत को मानसिक रूप से बेहद कमजोर कर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि जेल में बिताए गए दिनों के दौरान कई बार उनके मन में जीवन समाप्त करने जैसे विचार भी आए।

श्रीसंत ने बताया कि ऐसे कठिन समय में उनकी तत्कालीन प्रेमिका और वर्तमान पत्नी भुवनेश्वरी ने उन्हें लगातार हिम्मत दी। उन्होंने



कहा कि वर्ष 2010 में उन्होंने भुवनेश्वरी से वादा किया था कि यदि भारत 2011 का एकदिवसीय विश्व कप जीता है तो वे उनसे विवाह करेंगे। यही वादा और उनके प्रति जिम्मेदारी का भाव उन्हें हर मुश्किल घड़ी में संभालता रहा। उन्होंने अपनी प्रेम कहानी का भी जिक्र किया। पहली मुलाकात एक विद्यालय कार्यक्रम में हुई थी, जहां वे मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे। इसके बाद दोनों की कई मुलाकातें हुईं और समय के साथ उनका रिश्ता

मजबूत होता गया। दिलचस्प बात यह रही कि उनकी सगाई उस समय हुई जब वे जमानत पर जेल से बाहर आए थे। इससे पहले वर्ष 2012 में भी श्रीसंत गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ चुके थे। पैर के अंगूठे की सर्जरी के बाद डॉक्टरों ने उन्हें स्थायी शारीरिक नुकसान की आशंका जताई थी। उस समय भी भुवनेश्वरी और उनके परिवार ने उनका साथ नहीं छोड़ा।

जिससे प्रशंसकों के बीच उनकी लोकप्रियता आसमान छू रही है। ऐसे में क्रिकेट फैंस भी यह जानना चाह रहे हैं कि भारतीय मूल की यह आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कौन हैं, जो मैदान और उभरती हुई महिला क्रिकेटर का तरीका और समर्पण अपने खेल से ज्यादा अपनी खूबसूरती को लेकर चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। सोशल मीडिया पर इरा की कई सारी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं,

सीरीज में वह अपनी गेंदबाजी को लेकर विशेष रूप से चर्चा में रही थीं। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी बर्नी थीं, उन्होंने कुल 13 विकेट अपने नाम किए थे। उनकी काबिलियत और लगातार अच्छी बालिंग ने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को बहुत प्रभावित किया है, जो उन्हें भविष्य की एक बड़ी संभावना के रूप में देख रहे हैं। गेंदबाजी के साथ-साथ, इरा एरी सोशल मीडिया पर क्रश बन गई हैं। फैंस उनकी खूबसूरती, फिटनेस और खेल के अनीछे अंदाज के दोबाने हो गए हैं। उनका खेल का तरीका और समर्पण आस्ट्रेलियाई स्टाer आलराउंडर एलिस पेरी से भी कर रहे हैं, जो अपनी प्रतिभा और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए जानी जाती हैं। हालांकि, क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि इरा अपने अद्वितीय टैलेंट और कड़ी मेहनत के दम पर अपनी एक अलग पहचान बना रही हैं और उन्हें किसी और से तुलना किए बिना, एक स्वतंत्र खिलाड़ी के रूप में देखा जाना चाहिए।



फेडरल रिजर्व में व्यापक बदलावों की नींव, 2 फीसदी मुद्रास्फीति लक्ष्य पर दृढ़ प्रतिबद्धता

कड़े संदेश से हिला बाजार, अपरिवर्तित दरों पर सख्त बयान

मुंबई

केविन वार्श के अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष के रूप में पहली फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक ने न केवल मौद्रिक नीति में सख्ती का संकेत दिया, बल्कि केंद्रीय बैंक के कामकाज में बड़े संरचनात्मक बदलावों की नींव भी रखी। हालांकि फेडरल फंड दरें 3.5-3.75 फीसदी पर अपरिवर्तित रही, 130

शब्दों का बेहद संक्षिप्त बयान और भविष्य के अनुमानों का अभाव उम्मीद से कहीं अधिक सख्त साबित हुआ। वित्तीय बाजारों को कुछ सख्ती की उम्मीद थी, लेकिन बयान के बाद शेयर और बॉन्ड दोनों बाजारों में गिरावट आई। एफओएमसी के वक्तव्य में स्पष्ट रूप से कहा गया कि मुद्रास्फीति दर फेड के 2 फीसदी लक्ष्य से अभी भी अधिक है और समिति मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ है। इसके साथ जारी दाट प्लॉट आर्थिक अनुमानों से पता चला कि 18 मई से नौ सदस्य इस साल कम से कम 25 आधार अंकों की दर वृद्धि की उम्मीद करते हैं, जो वार्श के ज्ञात सख्त विचारों के अनुरूप हैं,

हालांकि उन्होंने अपने अनुमान प्रस्तुत नहीं किए। बैठक के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में, वार्श ने फेड के संचार, बेलेंस शीट संरचना, डेटा खोजों, उत्पादकता और रोजगार, और मुद्रास्फीति ढांचे का अध्ययन करने के लिए पांच कार्य बलों के गठन की घोषणा की। यह कदम वार्श के इस विश्वास को दर्शाता है कि नीति निर्माताओं को कम संवाद करना चाहिए ताकि वे अपने ही शब्दों के कैदी न बन सकें, एक दर्शन जो वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से केंद्रीय बैंकों द्वारा अपनाई गई बढ़ती पारदर्शिता के विपरीत है। इन कार्य बलों की सिफारिशें और उनका कार्यान्वयन वैश्विक स्तर पर अन्य केंद्रीय बैंकों की

कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकता है। इन बदलावों के बीच सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि वार्श ने मूल्य स्थिरता और 2 फीसदी मुद्रास्फीति लक्ष्य के प्रति फेड की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने अपने चित्र-परिचित कथन मुद्रास्फीति एक विकल्प है को दोहराया, जिससे उन आशंकाओं को दूर किया गया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप के वित्तीय के अनुरूप मुद्रास्फीति पर नरम रुख अपना सकते हैं। आने वाले महीनों में ट्रंप की प्रतिक्रिया पर नजर रहेगी। इस साल के अंत में संभावित ब्याज दर वृद्धि वैश्विक वित्तीय स्थितियों को और सख्त कर सकती है, जिससे व्यापक आर्थिक परिणाम होंगे।

न्यूज़ ड्रीम

अगली पीढ़ी की कार बनाने की तैयारी में किआ सांटे



नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी किआ सांटे अब अपनी अगली पीढ़ी की कार बनाने की तैयारी में है। भारत की सड़कों पर हाल ही में इसके परीक्षण के दौरान देखे गए माडल से यह साफ हो गया है कि किआ अपनी स्थिति और मजबूत करने की तैयारी में है। लॉन्च के अनुसार यह वाहन वर्ष 2027 में भारतीय बाजार में प्रवेश कर सकता है। इस बार कंपनी केवल बाहरी डिजाइन में बदलाव तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि प्लेटफॉर्म, तकनीक, केबिन स्पेस और सुरक्षा के स्तर पर भी बड़े सुधार देखने को मिल सकते हैं। नई पीढ़ी की सांटे में एक पूरी तरह से नया डिजाइन देखने को मिलेगा, जिसमें ऊर्ध्वाधर शैली में लगाए गए मुख्य प्रकाश उपकरण और बूमरिंग जैसी आकृति वाले दिन में जलने वाले प्रकाश इसे अधिक आधुनिक स्वरूप प्रदान कर सकते हैं। इसके साथ ही एक प्रीमियम ग्लिल और मजबूत बंपर भी देखने को मिलेंगे। वाहन के साइड प्रोफाइल को अधिक मस्कूलर बनाया जा सकता है, और इसमें आगे और पीछे दोनों पहियों पर ड्रिस्क ब्रेक मिलने की संभावना है। सबसे बड़ा बदलाव केबिन में देखने को मिल सकता है, जहाँ दो बड़ी 12.3 इंच की स्क्रिन का संयोजन दिया जा सकता है, जो ड्राइवर की जानकारी और मनोरंजन दोनों को संभालेगा। मौजूदा सांटे की पिछली सीट के सीमित स्थान की आलोचना को दूर करते हुए, नए प्लेटफॉर्म के उपयोग से हीलबेस बढ़ने और यात्रियों के लिए अधिक लेगरूम व आराम मिलने की उम्मीद है। सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, और किआ इसे भारत एन.सी.पी.पी. में पांच सितारा सुरक्षा रेटिंग दिलाने का प्रयास कर सकती है। साथ ही, उन्नत चालक सहायता प्रणालियों (ए.डी.ए.एस.) को भी शामिल किए जाने की संभावना है।

एआई-डीपफेक से बैंकिंग क्षेत्र में करोड़ों की सैध, सुरक्षा प्रणालियों को चुनौती

साइबर अपराधी ओपन-सोर्स एआई माडलों से तैयार कर रहे वास्तविक दिखने वाली नकली पहचान

नई दिल्ली

भारत का बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित डीपफेक तकनीक के बढ़ते खतरों से जूझ रहा है। साइबर अपराधी इस उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर ऐसे वास्तविक दिखने वाली नकली पहचान तैयार कर रहे हैं, जो वीडियो केवाईसी और लाइवलीनेस परीक्षण जैसी सुरक्षा प्रक्रियाओं को भी आसानी से भेद रही हैं, जिससे करोड़ों की वित्तीय धोखाधड़ी का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नई चुनौती वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। उद्योग से जुड़े सृजनों के मुताबिक, यह खतरा अब केवल सैद्धांतिक नहीं रहा है। कई वास्तविक मामलों में डीपफेक का उपयोग कर बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम दिया जा चुका है। जानकारी के अनुसार, एक रै-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के साथ नकली बैंक स्टेटमेंट और डीपफेक वीडियो के जरिए 15 से 20 करोड़ रुपये तक की धोखाधड़ी की खबर है। तकनीकी विशेषज्ञ बताते हैं कि डीपफेक तैयार करने के उपकरण टेलीग्राफ और डार्क वेब पर आसानी से उपलब्ध हैं, और इन्हें सामान्य गेमिंग कंप्यूटर पर भी कम लागत में चलाया जा सकता है, जिससे जालसाजों को संगठित होने में मदद मिल रही है। सबसे गंभीर चिंता यह है कि ये डीपफेक लाइवलीनेस जांच को भी सफलतापूर्वक पार कर जाते हैं, जो कैमरे के सामने मौजूद व्यक्ति की वास्तविकता सुनिश्चित करती है। यदि यह महत्वपूर्ण सुरक्षा परत विफल होती है, तो डिजिटल केवाईसी को विश्वसनीयता गंभीर रूप से प्रभावित होगी। इस खतरों को देखते हुए, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने भी चेतावनी जारी की है कि अपराधी सुरक्षा उपायों को भेदने के लिए एआई-आधारित तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में बैंकिंग क्षेत्र में 48,021 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी दर्ज की गई, जो



टीवीएस रोनिन कार्नेट ने खीचा बाइक प्रेमियों का ध्यान

नई दिल्ली। आठो प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई टीवीएस मोटर की संशोधित रोनिन कार्नेट बाइक ने अपने अनोखे और आक्रामक डिजाइन से मोटरसाइकिल प्रेमियों का ध्यान खींचा था। इसकी तस्वीरें और डिजाइन वाहन प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। हालांकि कंपनी ने अभी तक इसके उत्पादन संस्करण की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि यदि यह मोटरसाइकिल बाजार में आती है, तो क्या यह बड़ी सफलता हासिल कर पाएगी या फिर एक सीमित वर्ग तक ही सीमित रह जाएगी। संशोधित रोनिन का सबसे बड़ा आकर्षण इसका आकर्षक डिजाइन है, जिसमें काले, पीले और सुनहरे रंगों का संयोजन इसे पारंपरिक मोटरसाइकिलों से अलग पहचान देता है। इंजन के आसपास का ढांचा हिरसा और रेसिंग प्रेरित स्वरूप इसे भविष्य की मोटरसाइकिल जैसा लुक देते हैं। इसकी स्पॉट-शैली की सीट, जो दो हिस्सों में विभाजित दिखाई देती है, प्रीमियम अपील देती है, हालांकि भारदा मोटर ने पीछे बैठने वाले यात्री की सुविधा एक चुनौती हो सकती है। मोटरसाइकिल में दिया गया गोल आकार का मीटर रेट्रो और आधुनिक शैली का मिश्रण है, जिसमें डिजिटल जानकारी और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल होने की उम्मीद है। समग्र आक्रामक स्वरूप, अनोखी हेडलाइट और पीले रंग का बड़ा इंधन टैंक इसे सड़क पर एक विशिष्ट पहचान देने में सक्षम है।

पिछले वर्ष की तुलना में 46% अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ते खतरों से निपटने के लिए वित्तीय संस्थानों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी अपनी डिजिटल पहचान और उपकरणों की सुरक्षा के प्रति



अत्यधिक सतर्क रहना होगा। यह खतरा अब केवल बैंकिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि ई-कॉमर्स, सोशल मीडिया और आनलाइन वोटिंग प्लेटफॉर्म सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी फैल रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नौ दिन...

समझौता ज्ञापन की सभी शर्तें हमारे पक्ष में हैं और इन वार्ताओं तथा बातचीत की उपलब्धियां जल्द ही सामने आएंगी। उन्होंने दावा किया कि कतर में फ्रीज किए गए ईरान के 6 अरब डॉलर इस समझौते के तहत वापस किए जाएंगे। पेजफिरियान ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप, जिन्होंने हालिया भाषण में ईरान पर कई प्रतिबंधों की बात की थी, अब उन्हें मुद्रों को ईरानी जनता के अधिकार के रूप में स्वीकार कर चुके हैं। पेजफिरियान ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी निशाना साधते हुए कहा कि स्विट्जरलैंड में हो रही वार्ता से सबसे अधिक असंतुष्ट वही होंगे। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा, अमेरिका की केवल एक ही शर्त है कि हमारे पास परमाणु बम नहीं होना चाहिए। यह वही बात है जिसे हमारे शहीद नेता भी बार-बार कहते थे कि हम परमाणु बम नहीं चाहते। अमेरिका ने कहा कि इससे लिखकर हस्ताक्षर कर दी जाए और हमने हस्ताक्षर करने का आश्वासन दिया है। हालांकि, स्विट्जरलैंड में पहले दौर की बातचीत के बावजूद ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने साफ कर दिया है कि भविष्य की वार्ताएं इस बात पर निर्भर करेंगी कि लेबनान में इजरायली हमले बंद होते हैं या नहीं।

शिंदे-फडनवीस...

ऐसी संवेदनशील स्थिति में भी वे उन पर आरोप लगा रहे हैं। ये लोग सुबह गाली देते हैं और रात को पैर पकड़ते हैं। इनके दिमाग में केमिकल लोचा है। शिंदे ने आगे कहा कि अब जब पार्टी में कोई बचेगा ही नहीं, तो वे इस्तीफा ही देंगे, और क्या करेंगे। वहीं, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने इशारों-इशारों में कहा कि ऑपरेशन पूरा हो गया है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन पूरा हो गया है और मरीज बिल्कुल स्वस्थ है। फडणवीस ने कहा कि हमारे बीच केवल भाईचारा है, कोई विवाद नहीं है। उन्होंने उद्भव ठाकरे की ओर से अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की पेशकश पर कहा कि उजड़े हुए गांव की प्रधानी छोड़ने की बात कहने में बहुत फर्क होता है। फडणवीस ने कहा, जब आत्मचिंतन करने की जरूरत थी, तब उद्भव ठाकरे ने नहीं किया। बालासाहेब की शिवसेना अब एकनाथ शिंदे के पास है।

उद्भव ने अपने ...

मैंने पार्टी स्थापना दिवस पर जो वादा किया था, अब उस पर अमल शुरू कर दिया है। जहां-जहां विश्वासघात हुआ है, वहां-वहां मैं खुद जाकर मतदाताओं से माफी मांग रहा हूँ। उन्होंने कहा कि जनता ने पाला बदलने वाले सांसदों की शिवसेना और मशाल चुनाव बंद देखकर चुना था। उन्हें उम्मीदवार बनाना हमारी गलती थी और उसके लिए मैं आप सबसे माफी मांगता हूँ। उद्भव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना को कई बार तोड़ने और कमजोर

करने की कोशिश की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने हमेशा शिवसेना को खत्म करने की साजिश रची, जबकि कांग्रेस ने कभी ऐसा प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा, हमने 30 साल तक कांग्रेस से लड़ाई लड़ी, लेकिन उसने कभी हमारे नेताओं को चुराने या शिवसेना को उस तरह खत्म करने की कोशिश नहीं की, जैसा बीजेपी ने किया। जब बीजेपी को सड़क पर कोई पृष्ठता तक नहीं था, तब हमने उसका हाथ पकड़कर उसे बड़ा किया। उस समय उनके पास पूरे देश में सिर्फ दो सांसद थे। लेकिन एक पारस अपना कुछ नहीं है। यह दूसरों के बच्चों को चुराकर बड़ी हुई पार्टी है। उद्भव ठाकरे ने कहा कि जो लोग लड़ना चाहते हैं, वे खुले मैदान में आकर लड़ें। उन्होंने बिना नाम लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा, इस्कलर एक बाहरी व्यक्ति कोल्हापुर आए थे। मैं उन्हें बताना चाहता हूँ कि शिवसेना एक ही है और वह मेरी, हमारी और बालासाहेब की है। बीजेपी में कोई भी नेता बन सकता है। लेकिन बाहरी लोग यह तय नहीं कर सकते कि शिवसेना का नेतृत्व कौन करेगा। लोग आपसे सिर्फ उस कुर्सी की बजह से डरते हैं, जिस पर आप अभी बैठे हैं। कुर्सी हटते ही आपकी कोई पहचान नहीं बचेगी। केंद्रीय केंद्रीय अमित शाह ने कोल्हापुर की रैली में कहा था कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के अलावा कोई दूसरी शिवसेना नहीं है। बता दें कि उद्भव ठाकरे के पिता बाल ठाकरे ने 1966 में शिवसेना की स्थापना की थी। जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हुए विद्रोह के बाद पार्टी दो हिस्सों में बंट गई। फरवरी 2023 में चुनाव आयोग ने शिंदे गुट को आधिकारिक शिवसेना के रूप में मान्यता देते हुए पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किया था, जबकि उद्भव ठाकरे गुट को शिवसेना (यूबीटी) नाम और मशाल चुनाव चिह्न दिया।

उद्भव ठाकरे ने बागी सांसदों पर तंज कसते हुए कहा, मैं इन गद्दारों से पूछता हूँ कि उनकी दाढ़ी भी खुद की है या वह भी किराए पर ली गई है? आप दाढ़ी किराए पर ले सकते हैं, गाड़ी किराए पर ले सकते हैं, कुर्सी किराए पर ले सकते हैं, लेकिन ऐसे वफादार लोग कभी नहीं खरीद सकते जो आपके लिए जान देने को तैयार हों। अगर उन्हें सीट नहीं मिली होती, तो क्या वे सांसद बन पाते? और अगर सांसद नहीं बनते, तो क्या किसानों को गारंटीड दाम मिलते? सम्मान पाने के लिए भी काबिलियत चाहिए। उद्भव ने कहा कि बीजेपी ने शिवसेना की पीठ में छुरा घोंपा और वादखिलाफी की। उन्होंने दावा किया कि किसानों की कर्मजापकी का वादा उनकी सरकार ने पूरा किया था। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर बीजेपी अगले चुनाव में यह सीट छोड़ने वाली है, तो अभी घोषणा कर कि यह सीट एकनाथ शिंदे को दे रही है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने अभिजीत दिपके की सीजेपी का जिक्र करते हुए कहा, इन कांकरों को बीजेपी का घमंड तोड़

दिया है। उनकी सदस्य संख्या बीजेपी से ज्यादा है।

उद्भव सेना के कितने सांसद हुए बागी?

दिल्ली में 17 जून को हुई शिवसेना (यूबीटी) की संसदीय दल की बैठक में सांसद संजय दिना पाटिल (मुंबई उत्तर-पूर्व), संजय देशमुख (यवतमाल), संजय जाधव (परभणी), भाऊसाहेब वाकचौरे (शिरडी), नाथग पाटिल-आष्टीकर (हिंगोली) और ओमप्रकाश राजे निंबालकर (धाराशिव) शामिल नहीं हुए थे, जिसके बाद उनके दल बदलने की अटकलें तेज हो गईं। निंबालकर और आष्टीकर ने रविवार को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना जाँइन करने की पुष्टि कर दी। लोकसभा चुनाव 2024 में उद्भव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के नौ सांसद जीते थे।

जो जहाँ है...

समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी समेत कई राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। सृजों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में भगवान राम को चढ़ाए गए सोने, चांदी के आभूषणों, हीरे और अन्य कीमती पत्थरों के रिकॉर्ड में कथित गडबड़ी सामने आई है। सृजों ने बताया, ट्रस्ट के पदाधिकारी सोने, चांदी और अन्य आभूषणों और कीमती पत्थरों से संबंधित रिकॉर्ड पर सीट को संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। सृजों के मुताबिक, सबसे बड़ी कथित अनियमितता कुंभ मेले के दौरान सामने आई, जब करीब दो महीने की अवधि में रोजाना लगभग 10 लाख श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे थे और दान पेटियां दो घंटे के भीतर ही नोटों से भर जाती थीं। सृजों से मिली जानकारी के मुताबिक, सीट को श्रीराम मंदिर में चढ़ावे में चोरी के सबूत मिल गए हैं। सीट की प्रारंभिक जांच पूरी हो गई है। सीट सीएम योगी आदित्यनाथ को अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सौंप सकती है। ट्रस्ट में अनिल मिश्रा और गोपाल राव की भूमिका जांच के दायरे में है। सीट को सीसीटीवी फुटेज से रकम कम किए जाने के सबूत मिले हैं। कुछ सीसीटीवी फुटेज डिलीट किए जाने का भी शक है। सीट ने लापरवाही और साजिश इन दोनों पहलुओं की जांच की है। सीट ने पाया कि दान राशि की गणना प्रक्रिया की निगरानी तंत्र पूरी तरह फेल है। ऐसे में दिवू यादव, कुछ गणनाकर्मी और बैंक कर्मियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हो सकती है। सृजों के मुताबिक, सीट ने ट्रस्ट के पदाधिकारी अनिल मिश्रा और निर्माण सहायक गोपाल राव की भूमिका को संदिग्ध करार दिया है। सीट को डिजिटल सबूत चुटाने में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। सृजों ने शनिवार को बताया कि मंदिर परिसर का सीसीटीवी फुटेज केवल 45 दिनों तक ही स्टोर रहता है, जिसके बाद रिकॉर्डिंग अपने आप डिलीट हो जाती है। इससे सीट के लिए पुराने वीडियो रिकॉर्ड तक पहुंचना लगभग नामुमकिन हो गया है। सृजों के अनुसार, बैंकअप सिस्टम में रिकॉर्डिंग सिर्फ

45 दिन तक सुरक्षित रहती है। नतीजतन, सीट पिछले महीनों या पुराने वीडियो नहीं देख पा रही है। इससे यह पता लगाना मुश्किल हो गया है कि कथित गबन कब शुरू हुआ और कितने समय तक चला। सृजों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के साथ छेड़छाड़ के संकेत भी मिले हैं। डिप्टी या बदले गए एडटा को हासिल करने की कोशिश की जा रही है। अयोध्या राम मंदिर में मिले दान में हेराफेरी के आरोपों के बाद, मंदिर ट्रस्ट की गुजाराश पर 13 जून को उत्तर प्रदेश सरकार ने एक सीट बनाई थी। इस सीट में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं।

चांदी की ...

डॉ. राजू मनवानी ने बताया, हमने दान इकट्ठा करने के लिए एक कैंपेन चलाया था, जिसमें ना सिर्फ भारत बल्कि दूसरे देशों के सिंधी समुदाय के लोगों ने भी योगदान दिया। हमें दुख हुआ है; बात रसीद की नहीं है, हम बस यह जानना चाहते थे कि हमारे दान का इस्तेमाल कैसे और कहां हुआ। अब मीडिया से सुनने को मिल रहा है कि इसका गलत इस्तेमाल हुआ है, जो बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। चूंकि मैंने सिंधी समुदाय के लिए इस कैंपेन का नेतृत्व किया था, इसलिए कई दान देने वाले लोग मुझे फोन कर रहे हैं। मनवानी ने आगे कहा, एसआईटी का पारदर्शिता हो और दान देने वाले को पता हो कि उसके दान का इस्तेमाल कहां हो रहा है। डॉ. मनवानी ने कहा, जाहिर है, इस धोखाधड़ी के सामने आने के बाद राम मंदिर के दान में काफी कमी आई है, और यह बहुत स्वाभाविक है। जिससे दान देने की योजना बनाई थी, वह इस खुलासे के बाद निश्चित रूप से दान की राशि को आधा या उससे भी कम कर देगा।

नीट परीक्षा...

एनटीए ने बताया कि हर एक एजाम रूम में दो इन्विजिलेटर तैनात रहे, जबकि हर केंद्र पर 10 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा 38,795 फ्रिस्किंग स्टाफ और 48,448 बायोमेट्रिक कर्मियों की नियुक्ति की गई। इस बार फेस अंथेटिकेशन प्रणाली को भी शामिल किया गया। परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी के लिए लगभग 6,700 ऑब्जर्वर और 100 से ज्यादा वर्चुअल ऑब्जर्वर तैनात किए गए। परीक्षा में नकल और दूसरी गडबड़ियों को रोकने के लिए 51,311 जैमर लगाए गए। एनटीए के मुताबिक, एजाम कचरानों में सीपीएफ,

केंद्र सरकार ने 16 एफडीसी दवाओं पर लगाया स्वयी प्रतिबंध

कई स्किन क्रीम और एंटीबायोटिक भी प्रतिबंध की सूची में शामिल



नई दिल्ली

देश में दवाओं की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 16 फिक्ड डोज काबिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर स्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अब इन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर पूरी तरह रोक रहेगी।

सरकार का कहना है कि इन दवा संयोजनों का कोई ठोस चिकित्सीय आधार नहीं पाया गया और इनके इस्तेमाल से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ सकते थे। वर्ष 2021 में शुरू हुई गहन जांच प्रक्रिया के बाद विशेषज्ञ उप-समिति ने विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों और क्लीनिकल डेटा को

समीक्षा की।

दवा कंपनियों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। विस्तृत परीक्षण और विचार-विमर्श के बाद समिति ने प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की, जिसे ड्रग टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने भी समर्थन दिया। प्रतिबंधित दवाओं में लंचा संबंधी उत्पादों में उपयोग होने वाले कई काबिनेशन, जैसे एलो एक्सट्रेक्ट और विटामिन-ए के मिश्रण शामिल हैं, जिनके सुरक्षित विकल्प बाजार में उपलब्ध हैं। इसके अलावा, अमाक्सिसिलिन और सेराटियोपेण्टिडेज जैसे कई एंटीबायोटिक काबिनेशन भी इसकी जद में आए हैं, जिन्हें पर्याप्त चिकित्सीय प्रमाणों के बिना बेचा जा रहा था।

पेट दर्द और एंठन के इलाज में इस्तेमाल होने वाले कुछ अताकिक मिश्रणों को भी अनुपयोगी पाया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रतिबंध से न केवल मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि दवाओं के ज़िम्मेदार और वैज्ञानिक उपयोगों को भी बढ़ावा मिलेगा।

विदेश मंत्रालय, डाक विभाग, वायुसेना, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के साथ-साथ एसबीआई, केनरा बैंक, शिवा मंत्रालय और यूको बैंक ने भी सहयोग दिया। री-नीट के लिए इस बार सरकार ने जिस तरह की व्यवस्था की थी, वह काफी सख्त और मजबूत थी। दिल्ली में री-नीट दे रही सोनिया ने पीटीआई से कहा कि वह इस बार पहले की परीक्षा की तुलना में ज्यादा तनाव महसूस कर रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पिछली परीक्षा के मुकाबले इस बार पीने के पानी और कूलर की व्यवस्था की गई है, अगर पिछली बार भी ऐसी सुरक्षा व्यवस्था होती, तो पेपर लीक होने की आशंका कम होती और छात्रों को इतनी परेशानी नहीं झेलनी पड़ती। राजधानी दिल्ली समेत कई शहरों के एजाम सेंटर में बाहर इंतजार कर रहे माता-पिता और अभिभावकों के लिए मुफ्त पीने के पानी और नारंग का भी इंतजाम किया गया था। एनटीए ने बताया कि एक हजार से ज्यादा दिव्यांग उम्मीदवार थे, जिनके लिए व्यापक सुविधा की गई थी। वहीं, मेडिकल समस्याओं से जूझ रहे 81 उम्मीदवारों के लिए भी खास इंतजाम किए गए थे। कोलकाता में एक घायल छात्रा सुष्टि दुबे को एजाम सेंटर पर अलग रूम दिया गया, साथ ही मेडिकल सहायता और एक एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की गई थी। सुष्टि दुबे 14 जून को एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं और उन्होंने विशेष व्यवस्था के लिए अधिकारियों से सहायता मांगी थी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सुष्टि के माता-पिता से फोन पर बात की। रोड एक्सीडेंट में सुष्टि की 9 परसिलियां टूट गई थीं लेकिन एजाम देने की जिद नहीं टूटी। छात्र समय पर एजाम सेंटर तक पहुंच सकें, इसके लिए एसडीएम और पुलिस ने अलग से ट्रैफिक प्लान बनाया था। पटना के एसडीएम सत्यम सहाय ने बताया था कि पिछली बार की तरह जाम न लगे, इसके लिए एक ट्रैफिक प्लान बनाया गया था। दिल को छू लेने वाला ऐसा ही एक मामला इंदौर से भी सामने आया, जहां एक छात्रा को एजाम सेंटर तक पहुंचाने में एडिशनल डीसीपी ने मदद की। छात्रा दूसरे शहर से एजाम देने के लिए आई थी। लेकिन वह लेट हो गई। इसके बाद एडीसीपी ने अपनी सरकारी गाड़ी से छात्रा को एजाम सेंटर तक पहुंचाया। इसी तरह एक छात्र किमोथेरेपी से गुजर रहा था। इसके बावजूद उसने एजाम दिया।

3 मई को 22 लाख छात्रों ने बहुत उम्मीद के साथ परीक्षा दी थी लेकिन पेपर लीक और फिर एजाम रद्द होने से उनकी ये उम्मीद टूट गई। हरियाणा के मंडिराव में एजाम देने आइया यादव कहती हैं, मैं बस चाहती हूँ कि यह सब अब खत्म हो जाए। इस समय मेरा दिमाग पूरी तरह सुन्न हो चुका है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
 Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS
 Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
 APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS
 4th Floor, 19 Towers (T19),
 Near Bus Stand, Ranigun,
 Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
महारी भाग्यनगर
 दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 22 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
 शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए
 मो. 86888 68345 पर
 संपर्क करें।

आचार्य विमलसागर सुरीश्वरजी का तेलंगाना में मंगल प्रवेश



हैदराबाद में 2026 चातुर्मास हेतु अग्रसर, कुणसी तीर्थ में हुआ भव्य स्वागत-सामैया

कृष्णा नदी पार कर कर्नाटक से तेलंगाना में किया प्रवेश

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ, फीलखाना में आगामी वर्ष 2026 के चातुर्मास हेतु पधार रहे पूज्य आचार्य भगवंत श्री विमलसागर सुरीश्वरजी महाराज साहब, पूज्य गणीवर्य श्री पद्मविमलसागरजी

महाराज साहब एवं आदि श्रमण भगवंतों का शनिवार प्रातः अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और टाटबाट के साथ कर्नाटक राज्य की सीमा से तेलंगाना राज्य में मंगल प्रवेश संपन्न हुआ।

यह जानकारी फीलखाना संघ के प्रचार-प्रसार संयोजक मुकेशभाई चौहान ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि पूज्य आचार्य श्री विमलसागर सुरीश्वरजी महाराज साहब ने गत वर्ष गदा में ऐतिहासिक चातुर्मास संपन्न कराया था। इसके पश्चात वे कर्नाटक के हुबली, गंगावती, मानवी, सिंधनूर, रायचूर आदि नगरों में धर्मप्रभावना करते हुए तथा अपनी ओजस्वी वाणी से धर्मगंगा प्रवाहित करते हुए आगामी वर्ष 2026 के चातुर्मास

हेतु हैदराबाद की ओर विहारत हैं। विहार यात्रा के क्रम में शनिवार प्रातः कृष्णा नदी पर स्थित रायचूर एवं यादगिरि के मध्य क्षेत्र से कर्नाटक की सीमा पार कर तेलंगाना राज्य में प्रवेश किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने अक्षत द्वारा गहली कर एवं अक्षत वधामना के साथ पूज्य आचार्यश्री एवं गुरु भगवंतों का भव्य स्वागत किया।

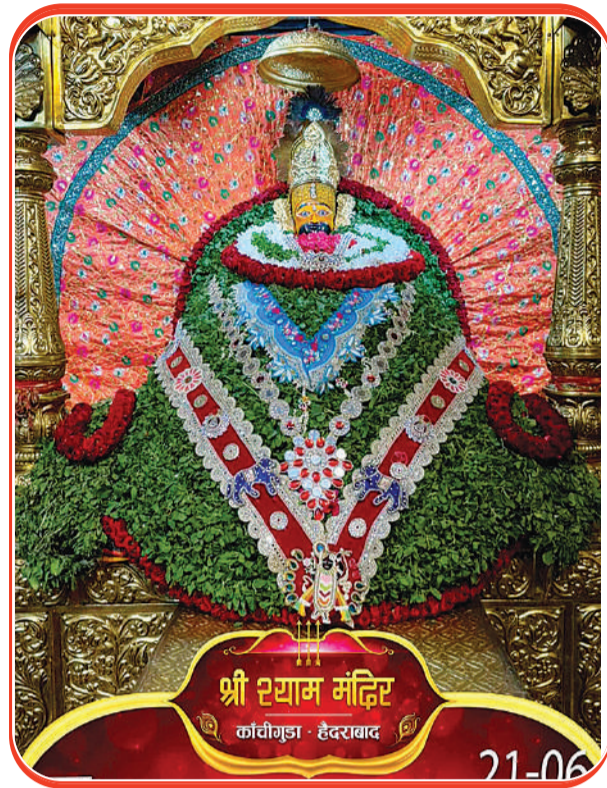
कुणसी तीर्थ में हुआ भव्य स्वागत-सामैया
 तेलंगाना सीमा में प्रवेश के पश्चात पूज्य गुरुदेव एवं श्रमण भगवंतों का श्री मनमोहन पार्श्वनाथ तीर्थधाम, कुणसी में आमगन पर भव्य स्वागत-सामैया आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर में भगवान के दर्शन कर चैत्यवन्दन किया तथा

धर्ममय वातावरण में हर्षोल्लास के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। इसके उपरांत उपाश्रय में पधारकर सभी श्रद्धालुओं ने गुरुवन्दन किया तथा पूज्य गुरुदेव के श्रीमुख से मांगलिक प्रवचन एवं मांगलिक श्रवण का लाभ प्राप्त किया।

विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु रहे उपस्थित
 इस अवसर पर श्री मनमोहन पार्श्वनाथ तीर्थधाम कुणसी के पदाधिकारी एवं ट्रस्टीगण, फीलखाना संघ के पदाधिकारी एवं ट्रस्टी, कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति के सदस्य तथा रायचूर, सैदापुर, यादगिरि, सिंधनूर, मानवी एवं मुंबई सहित विभिन्न स्थानों से पधार जिनशासन प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में फीलखाना संघ के अध्यक्ष एवं चातुर्मास मुख्य संयोजक मोहनलाल बागरेचा, संयोजक अमृतलाल भोजानी, अशोक बंदामुथा, दिनेश देवडाधोका, आकाश बागरेचा, दिलीप श्रीश्रीमाल, कांतिलाल भंडारी, ललित बालड़, पारसमल बागरेचा, पुखराज कवाड़, सुमेर विनायकिया, सदीप भोजानी, मुकेश ओस्तवाल, महेश ओस्तवाल, महेंद्र विनायकिया, विक्रम बागरेचा, मोतीलाल श्रीश्रीमाल, संजय मंडोत, संजय बागरेचा, जवाहरलाल भंसाली, भवरलाल देवडाधोका, रमेश कामदार, धर्माचंद सालेचा, संतोष डेलडिया, विमल सिंघवी, आनंद भंसाली, मुकनचंद गोठी, अरविंद बागरेचा, चम्पालाल चोवटिया, रघुर्वि सालेचा, महेंद्र बाफना, महावीर विनायकिया, नेमीचंद वडेमुथा, श्री तपागच्छ हीर-सूरी श्राविका संगठन की महिला सदस्याएं तथा अन्य श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त कुणसी तीर्थ के अध्यक्ष श्रेणीकराज धोका, उपाध्यक्ष भरतभाई, मंत्री लालचंद, कोषाध्यक्ष किरण मोमाया, ट्रस्टी अशोक खींसरा, चम्पाल सालेचा, दिलीप भंडारी, सुनील बांडिया, मुकेश चौहान, शाहपुर (कर्नाटक) के मांगीलाल सहित अनेक गणमान्य श्रद्धालुओं ने उपस्थित रहकर गुरु भगवंतों के मंगल विहार एवं तेलंगाना प्रवेश के ऐतिहासिक अवसर को अविस्मरणीय बनाया।



गोल्डन अवतार युनिवर्सल चैतन्य महाप्रभु महाभारत फाउंडेशन द्वारा आगामी अक्टोबर में कन्याकुमारी से काश्मीर तक आयोजित होने वाले भारत भाग्य विधाता भगवत गीता चैतन्य यात्रा में भाग लेने हेतु तेलंगाना राज्य के मंत्री जी. विवेक, राज्यसभा सांसद सुजीत कुमार, बीजेपी तेलंगाना राज्य अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव को निमंत्रित करते हुए एबी. चैतन्यदास, लव फॉर काऊ फाउंडेशन चरमेन जसमत पटेल, तरुण महता एवं अन्य।

हैदराबाद आश्रम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूज्य संत श्री आशारामजी बापू की पावन प्रेरणा से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में संत श्री आशारामजी आश्रम, शमशाबाद (रेलवे अंडरब्रिज के पास, गोल्लापल्ली रोड, हैदराबाद, तेलंगाना) में विशाल एवं भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हैदराबाद तथा तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में साधक, भाई-बहन एवं बच्चों ने सहभागिता करते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया तथा उत्तम स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक उन्नति का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक प्रार्थना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए आश्रम के वक्ताओं ने पूज्य बापूजी के संदेश को दोहराया कि मनुष्य को स्वयं को कभी दीन-हीन नहीं समझना चाहिए, क्योंकि आत्मस्वरूप से वह संसार की सर्वोच्च सत्ता का



अंश है। उन्होंने कहा कि जीवन को संयम, नियम, विवेक और वैराग्य से परिपूर्ण बनाकर आत्माभिमुख करना ही योग का वास्तविक उद्देश्य है। शिविर में ऋषि-मुनियों द्वारा समाधि से सम्प्राप्त तथा हजारों वर्षों की कसौटी पर खरे उतरे विभिन्न योगासनों एवं प्राणायामों का प्रत्यक्ष अभ्यास कराया गया। साधकों को योग के वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक पक्षों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। वक्ताओं ने बताया कि योग

एवं सिद्धयोग के माध्यम से कुण्डलिनी शक्ति जागृत होकर अन्नमय, प्राणमय और मनोमय कोषों की शुद्धि करती है। कुण्डलिनी जागरण से मनुष्य की सुषुप्त शक्तियां जागृत होती हैं तथा अनेक प्रकार के व्यसन एवं बुरी आदतें स्वतः समाप्त होने लगती हैं। शिविर में उपस्थित साधकों को शरीर को स्वस्थ, मन को प्रसन्न और बुद्धि को तीक्ष्ण बनाने वाले विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया गया। साथ ही प्राणायाम एवं

मुद्राओं के माध्यम से जीवन की आंतरिक शक्तियों को जागृत करने के व्यावहारिक सूत्र भी बताए गए। वक्ताओं ने सिद्धयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास साधक को आनंदमय कोष की यात्रा कराते हुए गुणातीत अवस्था तक पहुंचाने तथा आत्मज्ञान प्राप्त कर जीवन्मुक्ति के मार्ग पर अग्रसर करने में सहायक सिद्ध होता है।

उन्होंने सभी साधकों से आह्वान किया कि योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाकर निरंतर अभ्यास करें। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित श्रद्धालुओं एवं साधकों को आश्रम की ओर से प्रसाद वितरित किया गया। आश्रम के मीडिया प्रभारी ने इस स्वास्थ्यवर्धक एवं आध्यात्मिक अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग देने वाले सभी मीडिया बंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

ऐतिहासिक चारमीनार पर भाजपा गोलकोंडा ज़िला द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन



हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भाजपा गोलकोंडा ज़िला द्वारा ऐतिहासिक चारमीनार परिसर में जिला अध्यक्ष टी. उमामहेंद्र के नेतृत्व में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, समर्थकों, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुयायियों तथा बड़ी संख्या में योग साधकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

इस अवसर पर योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक संतुलन, शारीरिक सुदृढ़ता एवं राष्ट्र निर्माण में योग की महत्ता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि

श्रीधर जी, गोशामहल पार्श्वद लाल सिंह, जामबाग पार्श्वद राकेश जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष बी. नरसिम्हा, महासचिव सुंदर जी, कृष्ण जी, जगदीश यादव, कुनाल राव, प्रकाश गौड़, शालिंदर यादव एवं शिवा यादव सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर भाजपा गोलकोंडा ज़िला नेतृत्व ने आयोजन को सफल बनाने वाले सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं योग प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी योग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं एवं पदाधिकारियों ने नागरिकों से योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा भी प्राप्त होती है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय समन्वयक नानू बालराज (दिल्ली), भाजपा गोलकोंडा ज़िला प्रभारी जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष बी. नरसिम्हा, महासचिव सुंदर जी, कृष्ण जी, जगदीश यादव, कुनाल राव, प्रकाश गौड़, शालिंदर यादव एवं शिवा यादव सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर भाजपा गोलकोंडा ज़िला नेतृत्व ने आयोजन को सफल बनाने वाले सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं योग प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी योग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

सीसीआरएस-एनआईआईएमएच में योग संगम का आयोजन



हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय आयुर्विज्ञान संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर झूयोग संगमफ कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में

अधिकारियों, कर्मचारियों व स्थानीय निवासियों ने सुबह 6:30 बजे प्रधानमंत्री के लाइव संदेश को सुना, फिर 7:00 से 7:45 बजे तक सामान्य योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। कार्यक्रम के अंत में औषधीय पौधों का वितरण किया गया। डॉ. प्रसाद ने योग को दैनिक जीवन का हिस्सा

बनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. विश्व रंजन दास व श्री श्रीनिवास राव ने किया। डॉ. बी. वेंकटेश्वरलू, डॉ. वी. श्रीदेवी, डॉ. अशफाक अहमद सहित सभी कर्मियों ने भाग लिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. टी. साकेत राम ने किया।

युवा शक्ति को संस्कारों से जोड़ना समय की आवश्यकता : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व योग दिवस के अवसर पर बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित नियमित सेवा एवं जनजागरण कार्यक्रम में युवाओं की भूमिका, संस्कारों के महत्व तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी पर विशेष चर्चा की गई। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में युवा शक्ति को सामाजिक एवं राष्ट्रीय कर्तव्यों का बोध कराना अत्यंत आवश्यक है। जब तक युवा वर्ग समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझकर आगे नहीं आएगा, तब तक एक सशक्त और विकसित भारत की परिकल्पना पूरी नहीं हो सकती।

उन्होंने कहा कि भारत की पहचान केवल उसकी आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध संस्कृति, संस्कारों और मानवीय मूल्यों से है। इन मूल्यों को सुरक्षित रखने तथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं पर है। वर्तमान समय में तकनीकी विकास और आधुनिक जीवनशैली के



बल्कि उसकी समृद्ध संस्कृति, संस्कारों और मानवीय मूल्यों से है। इन मूल्यों को सुरक्षित रखने तथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं पर है। वर्तमान समय में तकनीकी विकास और आधुनिक जीवनशैली के

बीच युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़कर रखना आवश्यक है, ताकि वे अपने पूर्वजों की गौरवशाली परंपराओं और आदर्शों को आगे बढ़ा सकें। जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम

नहीं है, बल्कि यह आत्मिक और मानसिक विकास का भी आधार है। योग व्यक्ति को अनुशासन, संयम, सकारात्मक सोच और सेवा का भाव सिखाता है। यदि युवा वर्ग योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाए तो वह न केवल स्वयं को स्वस्थ और सक्षम बना सकता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी एक प्रेरणादायक भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण का कार्य केवल सरकारों का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक और विशेष रूप से युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। कार्यक्रम में दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय एवं प्रवीण विजयवर्गीय सहित अनेक समाज-सेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने विश्व योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए योग, सेवा और संस्कारों को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया।

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा की वार्षिक साधारण सभा आयोजित



हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा की वार्षिक साधारण सभा रविवार को जुबली हिल्स स्थित होटल ताजमहल में आयोजित की गई। शाखा के प्रचार-प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञापन के अनुसार सभा का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। शाखा अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल ने स्वागत भाषण देते हुए अपने एक वर्ष के कार्यकाल में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों से प्राप्त सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से मछली प्रसाद कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता में शाखा सदस्यों के योगदान की सराहना की। सभा में पिछली वार्षिक साधारण सभा की कार्यवाही (मिनट्स) को सर्वसम्मति से पारित किया गया। मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए शाखा द्वारा वर्षभर आयोजित विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शाखा द्वारा आयोजित झुंझवार-2 पिकनिक कार्यक्रम के संयोजक अरुण गुप्ता, संदीप गुप्ता एवं प्रवीण गुप्ता रहे। उन्होंने बताया कि अग्रसेन जयंती के अवसर पर महाराजा अग्रसेन चौक पर पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता द्वारा किया गया, जिसमें पश्चिम जोन की सभी 27 शाखाओं ने

सहभागिता की। इस कार्यक्रम के संयोजक पश्चिम जोन समन्वयकर्ता एवं शाखा के परामर्शदाता मुकुंद लाल अग्रवाल थे। अग्रसेन जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य सम्मेलन एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के तत्वावधान में आयोजित समारोह में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राज्य के मंत्रीगण तथा अखिल भारतीय वैश्य सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गिरीश कुमार संधी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संपूर्ण प्रबंधन महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा द्वारा किया गया। शाम को क्लासिक कन्वेंशन में आयोजित अग्रसेन जयंती समारोह में महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा को सर्वाधिक सदस्य बनाने वाली शाखा के रूप में सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि का श्रेय शाखा के परामर्शदाता मुकुंद लाल अग्रवाल को दिया गया। इस अवसर पर शाखा के साथ-साथ उनका भी विशेष सम्मान किया गया। शाखा द्वारा दीपावली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम गोलडन टेम्पल, बंजारा हिल्स स्थित बैंकेट हॉल में आयोजित किया गया, जिसके संयोजक भरत कुमार सोथालिया थे। शाखा के अधिकांश सदस्यों ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसी प्रकार होलिका दहन कार्यक्रम प्रतिवर्ष की भांति रोड नंबर-12 स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक अरुण गुप्ता थे

तथा बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने परिवार सहित सहभागिता की।

सभा में बताया गया कि इस वर्ष अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति में महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा का प्रतिनिधित्व उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले को अग्रवाल समाज का सलाहकार तथा श्री जगन्नाथ यात्रा एवं मछली प्रसाद कार्यक्रम का सलाहकार मनोनीत किया गया है।

मुकुंद लाल अग्रवाल को पश्चिम जोन जिला समन्वयक एवं मीडिया-प्रेस चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

मुन्नालाल अग्रवाल को मछली प्रसाद कार्यक्रम का चेयरमैन मनोनीत किया गया है। अनुशासन समिति में अशोक कुमार केडिया को वाइस चेयरमैन तथा मुकुंद लाल अग्रवाल एवं सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले को सदस्य नियुक्त किया गया है।

इन महत्वपूर्ण नियुक्तियों एवं उपलब्धियों के लिए चारों सदस्यों का सभा में विशेष सम्मान किया गया। सभा के दौरान अशोक कुमार केडिया द्वारा केंद्रीय समिति के अंतर्गत विभिन्न आपातकालीन सेवा समितियों के गठन का सुझाव दिया गया, जिसे सर्वसम्मति से समर्थन प्राप्त हुआ। साथ ही अग्रवाल समाज के सदस्यों के लिए प्रिविलेज कार्ड उपलब्ध कराने की योजना पर भी चर्चा की गई। इस कार्य हेतु अशोक कुमार केडिया को संयोजक नियुक्त किया गया तथा सभी सदस्यों से प्रिविलेज कार्ड बनवाने के लिए उनसे संपर्क करने का आग्रह किया गया।

सभा में शाखा अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल डाकोतिया, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, सहमंत्री अजय दोचानिया, कोषाध्यक्ष ताराचंद बंसल, केंद्रीय समिति सलाहकार सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, परामर्शदाता मुकुंद लाल अग्रवाल, मांसाराम अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल टी. रामा, केंद्रीय समिति सदस्य राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार केडिया, कार्यकारिणी सदस्य कैलाशचंद्र अग्रवाल, अरुण कुमार गुप्ता, सुशील केडिया, संदीप गुप्ता, योगेन्द्र सिंघानिया, राजीव गुप्ता, प्रवीण डाकोतिया, सुरेंद्र अग्रवाल, सीए सुरेश कुमार अग्रवाल, सीए रविंद्र कुमार अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

जब युवा शक्ति जागती है, तभी राष्ट्र सुरक्षित, सशक्त और समृद्ध बनता है : रामप्रकाश अग्रवाल

विश्व योग दिवस पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक ने युवाओं का किया आह्वान

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व योग दिवस केवल शारीरिक स्वास्थ्य का संदेश देने का अवसर नहीं है, बल्कि यह आत्मचिंतन, आत्मानुशासन और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझने का भी महत्वपूर्ण दिवस है। यह विचार राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल ने विश्व योग दिवस के अवसर पर व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व के सबसे युवा देशों में अग्रणी है। ऐसे समय में युवा शक्ति का जगृत, संस्कारित और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित होना देश की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इतिहास इस बात का साक्ष्य है कि दुनिया की बड़ी क्रांतियों और सकारात्मक परिवर्तनों का नेतृत्व युवाओं ने ही किया है। जब युवा अपने कर्तव्यों को समझता है, अपने लक्ष्य को पहचानता है और समाज तथा राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का भाव विकसित करता है, तब एक नए युग का निर्माण होता है।

युवा वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि युवा केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति है। आज का युवा तकनीक से जुड़ा हुआ है, वैश्विक सोच रखता है और नए अवसरों की तलाश में रहता है। उसके पास ऊर्जा, उत्साह और परिवर्तन लाने की अद्भुत क्षमता है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि उसकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा प्रदान की जाए।

उन्होंने कहा कि यदि युवा शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़े, तो भारत को विश्व की अग्रणी शक्ति



बनने से कोई नहीं रोक सकता।

योग देता है संतुलित जीवन का संदेश उन्होंने कहा कि योग हमें शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का संदेश देता है। यही संतुलन युवाओं के जीवन में भी आवश्यक है। केवल सफलता प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि सफलता के साथ संस्कार, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जब युवा अपने जीवन में अनुशासन, सेवा भाव और सकारात्मक सोच को अपनाता है, तब वह स्वयं के साथ-साथ समाज को भी नई दिशा प्रदान करता है।

लोकतंत्र में युवा परिवर्तन का वाहक रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि लोकतंत्र में युवा केवल मतदाता नहीं, बल्कि परिवर्तन का वाहक होता है। वह शिक्षक बनकर नई पीढ़ी को संस्कारित कर सकता है, उद्यमी

बनकर रोजगार के अवसर सृजित कर सकता है, स्वयंसेवक बनकर समाज के वंचित वर्गों की सहायता कर सकता है तथा जागरूक नागरिक बनकर राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभा सकता है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति का वास्तविक अर्थ केवल संख्या नहीं, बल्कि उसकी सकारात्मक क्षमता, जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे केवल अधिकारों की बात न करें, बल्कि अपने कर्तव्यों का भी ईमानदारी से पालन करें। केवल समस्याओं की चर्चा करने के बजाय उनके समाधान का हिस्सा बनें तथा समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा कि भारत के सामने आज अपार संभावनाएँ हैं और आने वाला दशक युवाओं का दशक है। यदि देश की युवा शक्ति जागरूक, शिक्षित, संस्कारित और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित रही, तो भारत विकास, समृद्धि और वैश्विक नेतृत्व के नए आयाम स्थापित करेगा।

रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि उसकी युवा शक्ति होती है। जब युवा जागरूक होता है तो समाज जागरूक होता है, समाज जागरूक होता है तो व्यवस्था उत्तरदायी बनती है और जब व्यवस्था उत्तरदायी बनती है तो विकास का नया अध्याय प्रारंभ होता है।

विश्व योग दिवस के अवसर पर उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे योग, सेवा, संस्कार और राष्ट्रभक्ति को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं तथा एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा, जब युवा शक्ति जागती है, तभी राष्ट्र सुरक्षित, सशक्त और समृद्ध बनता है।



माथुर वैश्य महिला मंडल, हैदराबाद द्वारा शनिवार को नारायणगुड़ा स्थित इंफिरियल अपार्टमेंट्स में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष नीलम विशाल गुप्ता के नेतृत्व में मंत्राणी पिकी श्याम गुप्ता, मीनू गुप्ता, श्वेता गुप्ता, अंजली गुप्ता, शालिनी गुप्ता, कंचन गुप्ता, पूजा गुप्ता, किरण गुप्ता, करुणा गुप्ता, नीतू गुप्ता व अपर्णा गुप्ता सहित सदस्यों ने योगासन व प्राणायाम किया।

संध्या रवली 2026 शास्त्रीय नृत्य समारोह का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अनंतपुर में हर साल आयोजित होने वाला प्रतिष्ठित शास्त्रीय नृत्य कार्यक्रम मसंध्या रवलीफ इस वर्ष पहली बार मअनंत आनंददाफ और मसरल ट्रस्टफ के सहयोग से हैदराबाद में आयोजित किया गया। इस भव्य समारोह में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के 130 से अधिक कलाकारों ने कुचिपुडी, भरतनाट्यम, कथक और लोक नृत्य जैसी विभिन्न विधाओं में 35 से अधिक उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री समुद्र वेणुगोपाल चारी और विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा राज्य परिषद सदस्य श्री रोय्यूरु शेषसाई उपस्थित रहे। उनके साथ दक्षिणात्य आर्ट्स एकेडमी की संस्थापक निदेशक डॉ. अनिता राव और प्रसिद्ध कुचिपुडी नर्तक मृत्युंजय शर्मा ने भी शिरकत की और छात्रों को भारत की नृत्य संस्कृति को संजोने के लिए प्रेरित किया।

मथ्री नृत्य कला निलयमफ की संस्थापिका श्रीमती जी. संध्या मूर्ति ने दर्शकों को संबोधित करते हुए अपने दशकों लंबे सफर को साझा



किया। उन्होंने 1979 में अनंतपुर में सिर्फ 5 छात्रों के साथ इस संस्था की शुरुआत की थी, जो आज तक लगभग 30,000 छात्रों को प्रशिक्षित कर चुकी है। इस कार्यक्रम को

सफल बनाने में कला शिक्षा पहल मअनंत आनंददाफ और मसरलफ सहित श्रीमती संध्या मूर्ति की सुपुत्री सुश्री अनुराधा मूर्ति ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

रानी पार्क में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग



हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बजरंग सेना तेलंगाना, आरए-

सएस महावीर शाखा व रानी पार्क चॉकर्स एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से बैंक स्ट्रीट, कोटी

स्थित रानी पार्क में योग कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में नागरिकों व स्वयंसेवकों ने उत्साह से भाग लिया। वरिष्ठ आरए-सएस नेता श्री हनमंत राव, बजरंग सेना प्रदेश अध्यक्ष श्री एन.आर. लक्ष्मण राव सहित रामू, महेश, कृष्णा, हनुमंत राव, पांडेय, बसवराज व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन योग को जीवनशैली बनाकर स्वस्थ समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प लेकर हुआ।

राधे-राधे ग्रुप की निस्वार्थ सेवा से समाज को मिल रही नई प्रेरणा : महेश गुप्ता

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में गुरुवार को सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने जबरनतमदों को भोजन वितरित किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद से जुड़कर सेवा का जो भाव और संतोष प्राप्त होता है, वह अन्यत्र दुर्लभ है।

उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति निस्वार्थ सेवा का वास्तविक स्वरूप देखना चाहता है तो उसे राधे-राधे ग्रुप के सेवा कार्यों को निकट से देखना चाहिए। नामपल्ली, बेगम बाजार और केबीआर पार्क सहित विभिन्न स्थानों पर ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव और स्वार्थ के निरंतर जबरनतमदों की सेवा में जुटे हुए हैं।

यही समर्पण इस संगठन को विशेष बनाता है। महेश गुप्ता ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है। राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्य पूरी निष्ठा, प्रेम और समर्पण के साथ इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे



समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना मजबूत हो रही है। कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष चिडालिया, प्रीतिका

अग्रवाल, जय प्रकाश सारडा, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत एवं गजराज श्रीश्रीमाल सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाई। सभी ने जबरनतमदों को भोजन वितरित कर सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

उत्तम कुमार रेड्डी का मना जन्मदिन, अल्पसंख्यक नेताओं ने दीं बधाइयाँ



हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अल्पसंख्यक नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय में माननीय सिंचाई और नागरिक

आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर नेताओं ने उनके निरंतर नेतृत्व, उत्तम

स्वास्थ्य, खुशी और समृद्धि की कामना करते हुए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त कीं। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री जी के प्रति

अपना पूर्ण समर्थन दोहराया और तेलंगाना राज्य की जनता के लिए उनके कई और वर्षों की समर्पित सेवा की कामना की।

एनएमडीसी ने उत्साह के साथ मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस



हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) भारत की सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक और इस्पात मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की एक नवतंत्र उपक्रम, एनएमडीसी लिमिटेड ने देश भर में अपने कॉर्पोरेट मुख्यालय, खनन परियोजनाओं और क्षेत्रीय कार्यालयों में व्यापक उत्साह व भागीदारी के साथ 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। मुख्य समारोह हैदराबाद स्थित एनएमडीसी के कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित किया गया, श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी); श्री कृष्ण कुमार ठाकुर, निदेशक (कार्मिक); और श्री सी. नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी ने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ मिलकर इस उत्सव में भाग लिया। इस सत्र का संचालन

मनमस्ते इंडियाफ के योगाचार्य श्री बृज भूषण पुरोहित द्वारा किया गया, जिनके प्रबुद्ध मार्गदर्शन ने प्रतिभागियों को शारीरिक तंदुरुस्ती, मानसिक स्पष्टता और आंतरिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए योग को जीवन शैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कर्मचारियों के समग्र कल्याण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, कंपनी के खनन परिसरों और क्षेत्रीय कार्यालयों में भी एक साथ योग सत्र आयोजित किए गए। कुल मिलाकर, 500 से अधिक कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने इस योग सत्र में भाग लिया, जिसमें प्राणायाम, माइंडफुल स्ट्रेच तथा ध्यान का अभ्यास शामिल था। इस वर्ष की ग्लोबल थीम,

स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग को ध्यान में रखते हुए, एनएमडीसी के इस कार्यक्रम ने जीवन के हर पड़ाव में लंबी उम्र, मानसिक-शारीरिक मजबूती और संपूर्ण स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के वैश्विक संदेश को आगे बढ़ाया। इस वार्षिक आयोजन के अतिरिक्त, एनएमडीसी ने वेलेनेस को अपनी दैनिक कार्य संस्कृति के हिस्से के रूप में शामिल किया है। कंपनी अपने हैदराबाद कॉर्पोरेट कार्यालय में प्रत्येक दिन सुबह 30 मिनट का एक संरचित योग सत्र आयोजित करती है। यह पहल निरंतर शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और कार्यस्थल पर एक सकारात्मक वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

योग भारत की एक अनुपम व सांस्कृतिक धरोहर : डॉ. मूर्ति



हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत मिनी रत्न श्रेणी-ख रक्षा सार्वजनिक उपक्रम, ने 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 बड़े उत्साह के साथ मनाया। उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन करके कर्मचारियों में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य और समग्र कल्याण को बढ़ावा दिया गया। ये आयोजन इस वर्ष के विषय लंबी आयु के लिए योग के अनुरूप किए गए।

मिधानि में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का शुभारंभ 17 जून 2026 को कार्यालय में योग - कार्यस्थल पर स्वास्थ्य का समावेश शीर्षक से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसे प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर, चिकित्सक, अंतरराष्ट्रीय योग साधिका और पूर्व मिस अर्थ इंडिया डॉ. उन्होंने बताया कि नियमित योग अभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिरता, एकाग्रता, तनाव प्रबंधन और उत्पादकता में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन कुछ मिनट योग करने से कार्यक्षमता,

सकारात्मकता और जीवन संतुलन में उल्लेखनीय सुधार होता है। अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने सभा को अपने संबोधन के दौरान कहा कि योग भारत की एक अनुपम व सांस्कृतिक धरोहर है। आयोजन करके कर्मचारियों में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य और समग्र कल्याण को बढ़ावा दिया गया। ये आयोजन इस वर्ष के विषय लंबी आयु के लिए योग के अनुरूप किए गए।

मिधानि में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का शुभारंभ 17 जून 2026 को कार्यालय में योग - कार्यस्थल पर स्वास्थ्य का समावेश शीर्षक से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसे प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर, चिकित्सक, अंतरराष्ट्रीय योग साधिका और पूर्व मिस अर्थ इंडिया डॉ. उन्होंने बताया कि नियमित योग अभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिरता, एकाग्रता, तनाव प्रबंधन और उत्पादकता में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन कुछ मिनट योग करने से कार्यक्षमता,

प्रशिक्षक श्री राजीव कुमार ने कर्मचारियों को योगासन, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम अभ्यास कराए। इस अवसर पर निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) श्री पी. बाबू ने कहा कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य ही संगठनात्मक सफलता, पारिवारिक कल्याण और राष्ट्रीय विकास की नींव है। उन्होंने जोर दिया कि स्वस्थ व्यक्ति स्वस्थ परिवार, स्वस्थ संगठन और अंततः स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करते हैं। मिधानि के कर्मचारियों ने योग365 का वादा पहल के अंतर्गत आयुष्य मंत्रालय और हैबिल्ड द्वारा आयोजित गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड योग कार्यक्रम में भी भाग लिया। उन्होंने ऑनलाइन योग सत्र में शामिल होकर यूट्यूब पर लाइव योग स्ट्रीम के सर्वाधिक दर्शकों का विश्व रिकॉर्ड बनाने में योगदान दिया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह की गतिविधियों में वरिष्ठ अधिकारियों, कार्यपालकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन कर्मचारियों द्वारा नियमित योग अभ्यास जारी रखने और परिवार व समाज को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने की प्रतिज्ञा के साथ हुआ।

ईसीआईएल में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस स्वस्थ उम्र बढ़ने के लिए योग पर रहा विशेष जोर



हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने आज अपने कारखाना परिसर में इस वर्ष के लिए योगदिवस के अनुरूप 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बेहद उत्साह के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में ईसीआईएल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया, जो स्वास्थ्य, कल्याण और एक

संतुलित जीवन शैली को बढ़ावा देने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। योग सत्र का संचालन प्रसिद्ध योग और वेलेनेस कोच कमांडर राजेश जनादनन (सेवानिवृत्त) ने किया। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, श्वास संबंधी अभ्यासों (प्राणायाम) और विश्राम तकनीकों का अभ्यास कराया। योग सत्र की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई, जिसने योग की भावना के

अभ्यास लचीलेपन, हृदय स्वास्थ्य, रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) और तनाव प्रबंधन में सुधार करने में सहायक है। दैनिक दिनचर्या में सरल लेकिन प्रभावी योग अभ्यासों को शामिल कर कर्मचारी एक स्वस्थ जीवन शैली अपना सकते हैं। इस अवसर पर ईसीआईएल के अधिकारियों ने आज के तेजतर्रार माहौल में समग्र कल्याण और महलदी एंजिंगफ (स्वस्थ उम्र बढ़ने) को बढ़ावा देने के लिए योग को दैनिक जीवन में शामिल करने के महत्व को दोहराया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस गरिमायुषी समारोह में निदेशक (वित्त) श्री प्रोतीक कुमार चक्रवर्ती, कार्यकारी निदेशक, महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष और ईसीआईएल के भारी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागाँव वाले परिवार में परोजन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नरसिंग दास जी आत्माराम जी बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा परोजन कार्यक्रम का आयोजन हिमायतनगर स्थित प्लैटिनम होटल में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार परिवार के सदस्य नयन अग्रवाल एवं भाविक अग्रवाल के परोजन संस्कार के उपलक्ष्य में यह आयोजन संपन्न हुआ। नयन एवं भाविक, कपिल अग्रवाल एवं श्रद्धा अग्रवाल के सुपुत्र, स्वर्गीय गोविंद अग्रवाल एवं श्रीमती



अनीता अग्रवाल के सुपौत्र तथा स्वर्गीय पूरणलाल जी अग्रवाल एवं स्वर्गीय लक्ष्मीबाई अग्रवाल के पड़पौत्र हैं। कार्यक्रम में परिवार के वरिष्ठ सदस्यों एवं रिश्तेदारों ने दोनों बालकों को परोजन संस्कार की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं संस्कारमय जीवन की

मंगलकामना की। इस अवसर पर ईश्वरलाल अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, विष्णुगोपाल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोविंद गोपाल अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, रमेश कुमार गुप्ता, अरुण कुमार गुप्ता, श्रीमती उषा अग्रवाल, ललिता गुप्ता, पुष्पा गुप्ता, संतोष अग्रवाल, माया अग्रवाल, शोभा अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, अरुणा अग्रवाल सहित परिवार के अनेक सदस्य एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। कार्यक्रम पारिवारिक सौहार्द, आत्मीयता एवं धार्मिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न हुआ, जिसमें उपस्थित सभी परिजनों ने सहभागिता कर आयोजन की गरिमा को बढ़ाया।

गिरनार महातीर्थ में छह मुमुक्षुओं की भव्य दीक्षा संपन्न मुमुक्षु मोहित हरण बने मुनिराज महिमाशेखरविजयजी महाराज, जैन समाज में हर्ष की लहर



हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। रमेश पी. तातेड, सिकंदराबाद-सिरौही के अनुसंधान के लिए अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है कि गिरनार महातीर्थ में परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री अजितशेखरजी महाराज साहब की पावन निश्रा में छह मुमुक्षुओं की दीक्षा संपन्न हुई। इस अवसर पर श्रीमती पूजाबेन एवं श्री अमरचंद्रजी हरण के सुपुत्र मुमुक्षु श्री मोहित हरण सहित छह दीक्षार्थियों ने संयम जीवन को अंगीकार किया। दीक्षा उपरान्त मुमुक्षु मोहित का नया नाम प.पू. मुनिराज महिमाशेखरविजयजी महाराज साहब रखा गया। दीक्षा समारोह के दौरान उपस्थित

श्रद्धालुओं ने मुमुक्षुओं के वैराग्य, त्याग और संयमपूर्ण जीवन की भावना की मुककंठ से सराहना की। इस पावन अवसर पर सिरौही जैन संघ द्वारा मुमुक्षु मोहित हरण का अभिनंदन-पत्र भेंट कर विशेष सम्मान किया गया। समारोह में मुख्य टीलायत श्री चौधरीजी, अन्य टीलायतगण, सेठ श्री कल्याणजी परमानंदजी पेढी, सिरौही के अध्यक्ष पंकज गांधी, सिरौही जैन संघ के अध्यक्ष राजू मोदी, अमरचंद्रजी हरण, रितेश आर. तातेड सहित संघ के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। रमेश पी. तातेड एवं सिरौही जैन संघ के सदस्यों ने सभी नवदीक्षित मुनिराजों को संयमयम जीवन हेतु शुभकामनाएं

उपस्थिति में मंदिर में विराजमान कराया गया। प्रतिमा की प्रतिष्ठा 25 जून को प.पू. श्री तीर्थसुंदरविजयजी महाराज साहब आदि ठाणा की निश्रा में कामदार परिवार के निवास स्थान पर संपन्न होगी। शनिवार को देशभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भी उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने योग कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके साथ ही फादर्स डे भी देशभर में हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया, जिसमें लोगों ने अपने पिता एवं अभिभावकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की।

एनसीसी कैडेट्स ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): 1(तेलंगाना) गैलर्स बटालियन एनसीसी ने आज कोटि, हैदराबाद स्थित वीरनारी चाकली इलम्मा महिला विश्वविद्यालय (वीसीआईडब्ल्यू) के ऐतिहासिक दरबार हॉल में बेहद उत्साह और उमंग के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 मनाया। इस ऐतिहासिक स्थल के शांत और अदृष्ट वातावरण ने कार्यक्रम के उत्साह को दोगुना कर दिया। सिकंदराबाद ग्रुप की 1(टी) गर्ल्स बटालियन के 1 अधिकारी, 1439 कैडेट्स, 25 ए एनओएस / सीटीओ और 14 पीआई (पीआई) स्टाफ ने विश्वविद्यालय की कुलपति के साथ मिलकर दरबार हॉल में योग अभ्यास किया। इस विशेष अवसर पर कई प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं, जिनमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध योग विशेषज्ञ योगाचार्य श्री बृज भूषण पुरोहित, विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. सूर्या धनंजय और 1(ड) गर्ल्स बटालियन एनसीसी की कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल संगीता कुमारी शामिल थीं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आधुनिक जीवन में योग की भूमिका और इसके प्रति जागरूकता फैलाना था। योग सत्र की मुख्य बातें: भारत का प्राचीन उपहार: शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने वाले भारत के इस प्राचीन उपहार (योग) के महत्व पर प्रकाश डाला गया। योगासन का प्रदर्शन: योगाचार्य श्री बृज भूषण पुरोहित के मार्गदर्शन में कैडेट्स ने विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। समग्र स्वास्थ्य: विभिन्न प्रकार के योगासनों



और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए उनके महत्व को समझाया गया। अनुशासन और मानसिक शांति: जीवन में अनुशासन, सचेतनता (माइंडफुलनेस) और बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने में योग के लाभों के बारे में बताया गया। अपने संबोधन में कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल संगीता कुमारी ने कैडेट्स को योग को अपनी जीवन शैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। माननीय कुलपति प्रो. सूर्या धनंजय ने छात्रों के बीच स्वास्थ्य और अनुशासन को बढ़ावा देने के लिए एनसीसी के प्रयासों की सराहना की। वहीं, मुख्य अतिथि योगाचार्य बृज भूषण

पुरोहित ने योग के माध्यम से एक संतुलित जीवन जीने के मूल्यवान सुझाव देकर सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन सभी गणमान्य अतिथियों, पीआई स्टाफ, एनओ, सीटीओ, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली वीसीआईडब्ल्यू की एनओ लेफ्टिनेंट वी. दीपिका के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ। दरबार हॉल के शांतिपूर्ण और अद्वितीय माहौल ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 को सभी कैडेट्स के लिए एक यादगार अनुभव बना दिया।

करीमनगर में बस में अचानक आग लगी, 41 यात्री बाल-बाल बचे

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। करीमनगर जिले में तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीडीएसआरटीसी) की एक बस में रविवार को अचानक आग लग गयी, जिसके बाद चालक और कंडक्टर की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया और 41 यात्री बाल-बाल बच गये। रायचूर परिवहन निगम की

यह इलेक्ट्रिक बस करीमनगर से हैदराबाद की ओर जा रही थी, तभी अचानक वाहन से आग की लपटें उठने लगीं। स्थिति को भांपते हुए चालक और कंडक्टर ने तुरंत बस को रोका और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। चालक और स्थानीय निवासियों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद

दमकल कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि, जब तक आग बुझायी गयी, तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। अधिकारियों ने पृष्ठ की है कि सभी यात्री सुरक्षित बच गए और किसी के हाताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं है।

करीमनगर में बस में अचानक आग लगी, 41 यात्री बाल-बाल बचे

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। करीमनगर जिले में तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीडीएसआरटीसी) की एक बस में रविवार को अचानक आग लग गयी, जिसके बाद चालक और कंडक्टर की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया और 41 यात्री बाल-बाल बच गये। रायचूर परिवहन निगम की

यह इलेक्ट्रिक बस करीमनगर से हैदराबाद की ओर जा रही थी, तभी अचानक वाहन से आग की लपटें उठने लगीं। स्थिति को भांपते हुए चालक और कंडक्टर ने तुरंत बस को रोका और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। चालक और स्थानीय निवासियों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद

दमकल कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि, जब तक आग बुझायी गयी, तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। अधिकारियों ने पृष्ठ की है कि सभी यात्री सुरक्षित बच गए और किसी के हाताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं है।

रेवंत रेड्डी ने लोगों से योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को लोगों से नियमित रूप से योग का अभ्यास करने और इसे अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आग्रह किया। उन्होंने योग को एक स्वस्थ जीवन शैली बनाये रखने के लिए एक अमूल्य साधन बताया।

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया मंच मएक्सफर पर जारी एक संदेश में लोगों को अपनी शुभकामनाएं दीं और शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक कल्याण को प्राप्त करने में योग के महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री रेड्डी ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम का एक रूप नहीं है बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है, जो मन, शरीर और आत्मा को सामंजस्य में रखने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने से अच्छे स्वास्थ्य, आंतरिक शांति और सकारात्मक सोच को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि अधिक से अधिक लोग इस प्राचीन पद्धति को अपनायें और एक स्वस्थ तथा सुखी जीवन जियेंगे।

इस बीच, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने हैदराबाद के गाचीबोवली स्टेडियम में तेलंगाना सरकार और आयुष विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। मंत्री ने योग प्रशिक्षकों के नेतृत्व में आयोजित एक सामूहिक योग सत्र में सैकड़ों प्रतिभागियों के साथ हिस्सा लिया।

उन्होंने वहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए योग को दुनिया के लिए भारत का एक शानदार उपहार बताया और लोगों से इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा



बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ समाज का निर्माण केवल स्वस्थ परिवारों और एक स्वस्थ तेलंगाना के माध्यम से ही किया जा सकता है।

श्री नरसिम्हा ने रेखांकित किया कि योग को स्कूल से लेकर कॉलेज स्तर तक शामिल किया जा रहा है और राज्य सरकार, आयुष विभाग के माध्यम से योग जागरूकता तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है।

इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव डॉ. क्रिस्टीना जे. चोंगथु, राजीव आरोग्यश्री हेल्थ केयर ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमंतु, खेल निदेशक सोनी बालादेवी, चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. नरेंद्र कुमार, सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवींद्र कुमार, आयुष विभाग के अधिकारी, हैदराबाद जिले के जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, योग प्रशिक्षक और विद्यार्थी शामिल हुए।

सीएम रेवंत ने प्रोफेसर जयशंकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को प्रोफेसर कोथापल्ली जयशंकर की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने उन्हें तेलंगाना के स्वाभिमान का प्रतीक, तेलंगाना आंदोलन के विचारक और लोगों के अधिकारों के लिए जीवन भर संघर्ष करने वाले महान नेता के रूप में याद किया।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने प्रोफेसर जयशंकर को ऐसा एक महान व्यक्तित्व बताया जिन्होंने अपना पूरा जीवन तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्पित कर दिया। श्री रेड्डी ने याद किया कि प्रोफेसर जयशंकर पदों, प्रलोभनों और व्यक्तिगत लाभ से ऊपर उठे और उन्होंने तेलंगाना के मुद्दे तथा यहाँ के लोगों के कल्याण को ही अपने जीवन का एकमात्र मिशन बना लिया। उन्होंने कहा कि इस विद्वान के विचार, बलिदान और अटूट प्रतिबद्धता आज भी पीढ़ियों को प्रेरित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रोफेसर जयशंकर की दूरदर्शिता ने तेलंगाना आंदोलन को आकार देने और राज्य के लोगों में स्वाभिमान की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि इस दिवंगत विचारक को सबसे सच्ची श्रद्धांजलि समानता, विकास और स्वाभिमान पर आधारित तेलंगाना का निर्माण करना होगी।

रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रोफेसर जयशंकर द्वारा देखे गए सपनों और आदर्शों को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

तेलंगाना में योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में रविवार को 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, युवाओं, छात्रों और योग साधकों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया।

तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोनम प्रभाकर ने इस अवसर पर लोगों को बधाई दी और सिद्दीपेट जिले के हुस्नाबाद में येल्ममा चेरुवू में आयोजित योग दिवस समारोह में भाग लिया। मंत्री ने स्थानीय युवाओं और लोगों के साथ योग आसन किए।

श्री प्रभाकर ने मीडिया से कहा कि तेलंगाना सरकार पूरे राज्य में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। उन्होंने योग को भारत की प्राचीन परंपरा और जीवन शैली का एक अभिन्न अंग बताया। उन्होंने घोषणा की कि लोगों को योग अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए हुस्नाबाद में सूर्य नमस्कार के 12 चरणों को दर्शाने वाली मूर्तियाँ स्थापित की जायेंगी।

मंत्री ने उम्मीद जतायी कि लोग योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनायेंगे, जिससे स्वस्थ हुस्नाबाद, स्वस्थ तेलंगाना और स्वस्थ भारत के सपने को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस बात पर जोर देते हुए कि योग करने में उम्र का कोई बंधन नहीं है, उन्होंने बेहतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सभी आयु वर्ग के नागरिकों से इस विधा को अपनाने का आग्रह किया।

इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने भी हैदराबाद के इंदिरा पार्क में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, भाजपा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, वरिष्ठ भाजपा नेता और



पूर्व राज्यपाल बंडारा दत्तात्रेय, सांसद आर. कृष्णैया, विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सी. अंजी रेड्डी और अन्य पार्टी नेताओं ने भाग लिया।

श्री राव ने इस अवसर पर योग को दुनिया के लिए भारत का एक अनमोल सभ्यतागत उपहार बताया और योग को वैश्विक मंच पर ले जाने तथा इसे एक विश्वव्यापी आंदोलन में बदलने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रेय दिया। मंत्री ने कहा कि योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं है बल्कि एक संपूर्ण जीवन पद्धति है जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों को मजबूत करती है। तनाव, अवसाद और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के इस दौर में योग एक प्राकृतिक और प्रभावी समाधान प्रदान करता है।

लोक अदालत ने साइबर धोखाधड़ी के 6,303 पीड़ितों को 45.21 करोड़ रुपये वापस दिलाये

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना साइबर और राज्य की पुलिस इकाइयों के साथ मिलकर, 20 जून को आयोजित लोक अदालत के कानूनी सेवा प्राधिकरण, बैंकों, ज़रिए साइबर धोखाधड़ी के डिजिटल पेमेंट सेवा उपलब्धकर्ता 6,303 पीड़ितों को 45.21

करोड़ रुपये वापस दिलाने में मदद की।

टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल के अनुसार, साइबरबाद 21.91 करोड़ रुपये के रिफंड के साथ सूची में सबसे ऊपर है जहां 2,232 पीड़ितों को लाभ हुआ, इसके बाद टीजी-सीएसबी (77 पीड़ितों को 6.83 करोड़ रुपये), मलकाजगिरी (779 पीड़ितों को 4.04 करोड़ रुपये), हैदराबाद (755 पीड़ितों को 3.22 करोड़ रुपये) और सांगारेड्डी (167 पीड़ितों को 1.69 करोड़ रुपये) का स्थान रहा है।

टीजीसीएसबी ने पूरे तेलंगाना में लोक अदालतों के माध्यम से 59,953 साइबर अपराध पीड़ितों को 445.41 करोड़ रुपये वापस दिलाने में मदद की है। ब्यूरो ने कहा कि यह पहल पीड़ितों को नुकसान की भरपाई करने का एक मजबूत प्रणाली बन चुकी है।

चुनाव आयोग ने समझौता किया लोकतंत्र खतरे में : मीनाक्षी नटराजन

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने रविवार को चुनाव आयोग पर आरोप लगाया है कि उसने मध्य प्रदेश से उनका राज्यसभा नामांकन खारिज करके संवैधानिक संस्थाओं के साथ समझौता करने का काम किया है। सुधी नटराजन ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के साथ गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास मध्य प्रदेश में तीसरी

राज्यसभा सीट जीतने के लिए काफी विधायक थे लेकिन उनका नामांकन एक कानूनी नोटिस के आधार पर खारिज कर दिया गया, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह कोई आपराधिक मामला नहीं बनता या फॉर्म-26 में जानकारी देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने दूसरे मामलों में भी अलग-अलग तरह के बर्ताव किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि रिटर्निंग अधिकारी ने गलत तरीके से दर्ज किया कि संज्ञान लिया गया था, जिससे उनका नामांकन खारिज हो गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की छानबीन की अंतिम तिथि से पहले चुनाव आयोग से संपर्क करने के बावजूद कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, जिससे पार्टी को उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। सुधी नटराजन ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने बाद में तकनीकी आधार पर मामले का निपटारा कर दिया, जबकि चुनाव प्रमाण-पत्र पहले ही जारी हो चुका था। उन्होंने कहा कि पार्टी अब परिणाम को चुनौती देने के लिए याचिका दायर करेगी।

उन्होंने भाजपा, मध्य प्रदेश सरकार और चुनाव प्राधिकारों के बीच मिलीभगत का आरोप लगाते हुए दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और मवन नेशन, वन पार्टी प्रणाली की ओर बढ़ने की कोशिश कर रही है।

प्रेक्षावाहिनी हिमायतनगर ने आयोजित की योग कार्यशाला

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रेक्षावाहिनी, हिमायतनगर ने तैरापंथ भवन में विशेष योग कार्यशाला आयोजित की। लगभग 48 साधकों ने योग व ध्यान का अभ्यास किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रश्मि की झुंझपदी वंदनाफ व सामूहिक झुंझपदी गीतफस से हुआ। योग प्रशिक्षक सरिता ने योगासन कराए, वहीं प्रेक्षाध्यान प्रशिक्षक डिम्पल बैद ने ध्यान का प्रायोगिक अभ्यास करवाया। तैरापंथ युवक परिषद, अणुव्रत समिति व कन्या मंडल



की सदस्यों ने विशेष संचेती ने आगामी गतिविधियों ज्ञओम् अर्हम्फ ध्वनि के साथ सहभागिता दी। संयोजिका प्रेम की जानकारी दी। समापन हुआ।

1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी ने मनाया योग दिवस



हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)

1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी, हैदराबाद

युप के तत्वावधान में शनिवार को हुसैन सागर

स्थित संजीवैया पार्क में सामूहिक योगाभ्यास

आयोजित हुआ।

योग प्रार्थना से शुरू हुए कार्यक्रम में

प्रशिक्षिका श्रीमती रजनी ने योगासन,

प्राणायाम व ध्यान का अभ्यास कराया।

वक्ताओं ने योग को भारतीय संस्कृति की

अमूल्य धरोहर बताते हुए इसे तनावमुक्त व

संतुलित जीवन का माध्यम कहा।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स

ने भाग लिया। अंत में सभी ने नियमित योग

व स्वस्थ भारत निर्माण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी

लेफ्टिनेंट कर्नल पुनीत शर्मा, एएनओ, जेस-

1ओ, एनसीओ व कैडेट्स उपस्थित रहे।

एनआईपीएचएम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग



हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रोटोकॉल सत्र आयोजित हुआ। इस वर्ष का विषय स्वस्थ

वृद्धावस्था के लिए योग रहा। सत्र का संचालन विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के प्रकालप संगठक श्री मुकेश कीर ने किया। महानिदेशक डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक पीएमडी डॉ. निर्मली सैकिया, रजिस्ट्रार श्री के श्रीनिवास व सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। डॉ. सत्यवती ने योग को दैनिक जीवन में अपनाने पर जोर दिया, कहा कि यह मानसिक शांति व स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देता है। समापन पर योग प्रशिक्षक को सम्मानित किया गया।